भाद्रपद कृष्ण पक्ष-12, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 69 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 अगस्त 2024 शुक्रवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page- 7

48 साल बाद अरब सागर में बड़े तूफान की आहट

नई दिल्ली/अहमदाबाद, एजेंसी।

अरब सागर में 48 साल बाद अगस्त में चक्रवाती तूफान की आशंका जताई गई है।इससे गुजरात में हालात और बिगडने का खतरा पैदा हो गया है। मौसम विभाग ने आज सुबह कहा- गुजरात के करीब अरब सागर में यह तूफान 12 घंटे में देखने को मिल सकता है। तूफान का सबसे ज्यादा असर गुजरात के कच्छ में दिखेगा। यहां 65 से 75 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। तूफान के चलते राजकोट, जामनगर, पोरबंदर, जूनागढ़, द्वारका में भी भारी बारिश का अलर्ट है।कच्छ और राजकोट में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। कच्छ में कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकले। गुजरात में अब तक 32 लोगों की जान गई है।

भोपाल-जबलपुर में बारिश, इंदौर में धूप

मध्यप्रदेश में कल 31 अगस्त से मौसम का नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। यह 2 दिन राज्य के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में तेज बारिश कराएगा। इससे पहले आज मालवा-निमाड़ यानी इंदौर-उज्जैन संभाग में तीखी धूप रहेगी। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर संभाग में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

मुख्यसचिव समेत भावी प्रशासनिक तस्वीर को लेकर सुगबुगाहटें

सीएम ने दिल्ली में आईएएस अफसरों से किया वन-टू-वन, भोपाल में हलचल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीती रात मप्र कॉडर के दिल्ली में पदस्थ आईएएस व आईपीएस अफसरों से लंबी चर्चा की हैं। इन आईएएस अफसर के साथ उन्होंने रात का भोजन भी किया। इस दौरान कुछ अफसरों के साथ उन्होंने वन टू वन बात की। खास बात यह है कि इस दौरान मुख्यसचिव पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे अनुराग जैन भी मौजूद थे और उनकी सीएम से वन टू वन की भी खबरें हैं। हालांकि मुख्यमंत्री ने कई अन्य अफसरों के साथ भी अलग चर्चा की। उन्होंने मध्यप्रदेश के विकास में सहयोग करने की अपेक्षा भी की। कल करीब आधी रात तक चले इस घटनाक्रम की खबरें जैसे ही भोपाल पहुंची तो प्रशासनिक गलियारों में फिर सरगर्मी बढ़ गई। इसे मप्र में भावी प्रशासनिक जमावट से जोड़कर देखा जाने लगा है। अगले महीने मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव बदलने के आसार लगने लगे हैं। अभी इस पद पर आईएएस वीरा राणा है जिनका कार्यकाल 30 सितंबर को खत्म हो रहा है। हालांकि उन्हें एक और सेवावृध्दि देने की भी संभावना देखी जा रही हैं। मुख्यसचिव पद के संभावित चेहरों में अनुराग जैन के अलावा राजेश राजौरा को भी देखा जा रहा है, जो अभी सीएम सचिवालय में एसीएस हैं। जबकि जैन लंबे समय से दिल्ली में ही हैं, उन्हें इकबाल सिंह बैंस का भी उत्तराधिकारी माना जा रहा था लेकिन उन्होंने तब भोपाल लौटने में अनिच्छा जताई थी,उनका कार्यकाल करीब एक वर्ष बाकी है। एक अन्य दावेदार मो. सुलेमान भी जैन से एक महीने पहले रिटायर होंगे

जानकारों के मुताबिक अफसरों से चर्चा में मुख्यमंत्री यादव ने यह भी कहा कि अभी राज्य और केंद्र दोनों जगह बीजेपी की सरकार है। केंद्र सरकार राज्य से अपेक्षा कर रहा है कि विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिले तो राज्य भी इस अपेक्षा पर खरे उतरते के प्रयासों में जुटा है। इस काम में मध्य प्रदेश कैडर के दिल्ली में सेवाएं दे रहे आईएएस बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

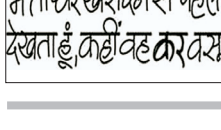

दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मध्यप्रदेश उत्सव की शुरूआत की और यहां मप्र की विशेषताओं को दर्शाने वाली प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

मानसूनी दिल्ली में चार दिनी मध्यप्रदेश उत्सव की मुख्यमंत्री ने की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज सुबह दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में चार दिनी मप्र उत्सव की शुरूआत की तथा यहां लगी प्रदशर्नियों का अवलोकन किया। 2 सितंबर तक चलने वाले 'मध्यप्रदेश उत्सव' में प्रदेश की समृद्ध कला, पर्यटन, संस्कृतिक विरासत, जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों का वृहद प्रदर्शन किया जा रहा है। सीएम यादव ने कहा कि संस्कृति, कला, व्यंजन, रहन-सहन, पर्यटन, ऐतिहासिक धरोहर और पुरातत्व की दृष्टि से मप्र समृद्ध राज्य है। इन समस्त पहलुओं से देश की राजधानी को परिचय करवाने के लिए इस चार-दिवसीय उत्सव का आयोजन किया गया है। 'मध्यप्रदेश की विरासत' प्रदर्शनी की विशेष सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संचालनालय पुराने नष्ट हुए मंदिरों और देवस्थानों को पुनर्स्थापित करने का चुनौतीपूर्ण काम कर रहा है। गोंड कलाकारों की चित्रकला को सम्मान और दूसरी ओर दस हजार वर्ष पुराने भीमबैठका के शैलचित्र को सबके सामने का अद्भुत प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने आशा व्यक्ति की कि उत्सव के आगंतुकों को श्रीअन्न के पकवान खाने में अवश्य आनंद आएगा। सीएम ने जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में सेल्फी बूथ में मुख्यमंत्री के कटआउट से साथ सेल्फी खिंचवाई। उन्होंने जनसंपर्क प्रदर्शनी की सराहना करते हुए विजिटर बुक में लेख किया, 'मध्यप्रदेश उत्सव का आयोजन बहुत बेहतर तरीके से सुयोग्य भाव से प्रदर्शित किया गया है, बधाई।'

पोलियो टीकाकरण के चलते तीन दिन इजरायल हमास युध्द रुका

नई दिल्ली । इजराइल-हमास के बीच गाजा में तीन-तीन दिन के लिए कुछ इलाकों में सीजफायर पर सहमति बनी है। गाजा में 25 साल बाद 23 अगस्त को पोलियो का पहला केस मिला था,

जिसके बाद 6.40 लाख बच्चों को पोलियो का टीका लगाया जाएगा। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि फिलिस्तीनी इलाकों में वैक्सीनेशन अभियान रविवार (1 सितंबर) को शुरू होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 6 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच सीजफायर रहेगा। वैक्सीनेशन अभियान सेंट्रल गाजा में शुरू होगा, जहां तीन दिन का सीजफायर रहेगा। फिर दक्षिणी गाजा की ओर बढ़ेगा, जहां तीन दिन का और सीजफायर रहेगा। उसके बाद वैक्सीनेशन ड्राइव उत्तरी गाजा में चलाई जाएगी। पीपरकोर्न ने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो हर इलाके में सीजफायर को चौथे दिन तक बढ़ाया जा सकेगा।

सेंसेक्स निफ्टी का नया ऑलटाइम हाई

मुंबई, एजेंसी।

सेसेंक्स ने आज 82,637 और निफ्टी ने 25,249 का नया ऑलटाइम हाई बनाया। सुबह सेसेंक्स 200 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 82,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी में भी 80 अंक की तेजी है, ये 25,240 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 39 में तेजी और 11 में गिरावट है। ढ्रुझ और ऑटो सेक्टर छोड़कर सभी में तेजी देखने को मिल रही है।

सोरेन का नया दांव, चंपई के करीबी को मंत्री बनाया

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजनीति में उथल-पुथल मच गई है। दिग्गज आदिवासी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झारखंड

मुक्ति मोर्चा को अलविदा कहकर आज भाजपा में शामिल हो रहे है। ऐसे में सीएम हेमंत सोरेन ने चंपई की काट के तौर पर आज सुबह ही घाटशिला से विधायक रामदास सोरेन को मंत्री पद की शपथ दिला दी। राजभवन में उन्होंने मंत्री पद की शपथ ले ली है। रामदास को चंपाई सोरेन का करीबी माना जाता है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत ने रामदास को मंत्री बनाकर ना सिर्फ बगावत थामने के लिए बड़ा कदम उठाया है, बल्कि संथाल आदिवासी समाज को भी साधने की कोशिश की है। चंपई इसी इलाके से आते हैं। चंपाई के इस्तीफे के बाद कैबिनेट मंत्री का एक पद खाली था। राज्य में जल्द ही विस्ुचनांव होने वाले हैं।

बेरोजगारी के खिलाफ युवा कांग्रेस का सीएम हाउस कूच

4 लाख पोस्टकार्ड सौंपने बढ़ रहे जत्थे को रोकने बल तैनात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बढ़ती बेरोजगारी, नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता घोटाला किसानों की समस्या सहित युवाओं की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस ने आज मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने बढ़ी, हालांकि प्रदर्शनकारियों को सीएम हाऊस के काफी पहले ही रोक लिया गया।

दरअसल, संगठन द्वारा चलाए गए 'क्या हुआ तेरा वादा' अभियान के तहत प्राप्त साढ़े चार लाख पोस्टकार्ड बक्से व बोरियों में भरकर मुख्यमंत्री को सौंपने युंका कार्यकर्ता रंगमहल चौराहे से आगे बढ़ रहे थे। इससे पहले सुबह से ही प्रदेश कार्यालय के पास युंकाईयों का हुजूम नजर आया। प्रदर्शन के दौरान युंकाईयों व

पुलिस के बीच झडप भी हुई। युंका प्रदेशअध्यक्ष मितेंद्र सिंह और प्रदेश प्रभारी शेष नारायण ओझा ने बताया कि युवा कांग्रेस ने दो माह पहले 'क्या हुआ तेरा वादा' अभियान की शुरुआत की थी। प्रदेश की भाजपा सरकार ने युवाओं से कई बार रोजगार के वादे किए, पर किसी को पूरा नहीं किया। स्वरोजगार की योजनाएं केवल कागजों पर चल रही हैं।

इंडिया जैसे सुर...चिराग के बाद जेडीयू जातीय गणना के पक्ष में

नई दिल्ली, एजेंसी।

ओबीसी कल्याण के मामले में केंद्र में एनडीए सरकार के दल भी बंटने लगे हैं। बताया जाता है कि संसदीय समिति की बैठक में इंडिया गठबंधन के दलों और एनडीए सहयोगियों ने जातिगत जनगणना को लेकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाया। बैठक में केंद्र की महत्वपूर्ण सहयोगी जेडीयू ने विशेष रूप से जातिगत जनगणना कराने की मांग की और ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर की सीमा को मौजूदा सीमा से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का प्रस्ताव रखा। जेडीयू का कहना है कि वर्तमान में क्रीमी लेयर की सीमा ओबीसी के लिए पर्याप्त नहीं है।

गौरतलब है कि केंद्र में मंत्री चिराग पासवान और उनकी पार्टी भी जातीय गणना के पक्ष में है। इंडिया गठबंधन के दलों ने भी जातिगत जनगणना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने गृह मंत्रालय को एक सिफारिशी पत्र भेजने को कहा जिसमें देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग की जाए। बैठक में ओबीसी के लिए खाली पदों को भरने और आरक्षण लागू करने, केंद्रीय विवि की खाली सीटों को तत्काल भरने और अस्थायी पदों में आरक्षण को लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

स्ट्रैटजिक फोर्सेस कमांड के पास पहले से है एनआईएस अरिहंत

देश को मिली दूसरी न्यूक्लियर मिसाइल सबमरीन

नई दिल्ली, एजेंसी।

न्यूक्लियर मिसाइल सबमरीन INS अरिघात गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में स्ट्रैटजिक फोर्सेस कमांड में शामिल हो गई है। जितने भी न्यूक्लियर वेपन हैं वे सब स्ट्रैटजिक फोर्सेस कमांड के तहत आते हैं, जो सीधे पीएमओ को रिपोर्ट करती है। INS अरिघात भारत की दूसरी न्यूक्लियर मिसाइल सबमरीन है। भारत के पास पहले से INS अरिहंत है। INS मतलब इंडियन नेवल शिप, इसलिए न्यूक्लिर मिसाइल सबमरीन को कमिशन तो नेवी में किया गया है लेकिन यह स्ट्रैटजिक फोर्सेस कमांड के अंदर ही ऑपरेट होगी।

अरिहंत से ज्यादा घातक: भारत ने अडवांस्ड टेक्नॉलजी प्रोजेक्ट 1980 में शुरु किया था और इसका पहला प्रोजेक्ट था अरिहंत। अरिहंत को 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पानी में लॉन्च किया था। जिसके बाद सी ट्रायल के बाद अरिहंत को बिना शोरगुल के

अगस्त 2016 में कमिशन कर दिया था। यह 6000 टन की है। INS अरिघात भी 6000 टन की है। ये 50 दिन से भी ज्यादा वक्त तक पानी के अंदर रह सकती है। इसकी स्पीड पानी के अंदर 24 नॉटिकल मील प्रतिघंटा है। अरिघात न्यूक्लियर मिसाइल सबमरीन अरिहंत से ज्यादा घातक है। इसकी बेलेस्टिक मिसाइल की रेंज 3500 किलोमीटर तक है।

रक्षा मंत्रालय ने दी पूरी जानकारी

रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि अरिहंत क्लास की दूसरी सबमरीन आईएनएस अरिघात को विशाखापट्टनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में नेवी में कमिशन किया गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि यह भारत को और मजबूत करेगा और परमाणु प्रतिरोध को बढ़ाएगा साथ ही क्षेत्र में सामरिक संतुलन और शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा। रक्षा मंत्री ने इसे देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने की प्रतिबद्धता दिखाता है। रक्षा मंत्री ने नेवी, DRDO और इंडियन इंडस्ट्री के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस आत्मनिर्भरता को आत्मबल की नींव कहा जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आज भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कई कमियां मिली, तुरंत सुधार के निर्देश

आधी रात कलेक्टर ने जेपी व हमीदिया अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलकाता रेप व मर्डर केस के बाद जारी सरकार की सख्ती का असर अफसरों पर नजर आ रहा है। भोपाल में जिला प्रशासन ने अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी के चलते बीती रात करीब साढे ग्यारह बजे कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने जेपी अस्पताल और फिर हमीदिया अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने सुरक्षा संबंधी इंतजाम देखे और सुरक्षाकर्मियों से जानकारी ली।

बताया जाता है कि कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान जेपी अस्पताल में कुछ जगह लाइटें बंद मिलीं, तो वहीं हमीदिया अस्पताल की पार्किंग में अंधेरा मिला। इस पर कलेक्टर ने एक सप्ताह में व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। कल ही प्रदेश शासन की मुख्य सचिव वीरा राणा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी मेडिकल कॉलेज, अस्पतालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए थे।

जेपी अस्पताल

कलेक्टर रात करीब ग्यारह बजे जेपी अस्पताल निरीक्षण करने पहुंचे। जहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों से व्यवस्था के बारे में जानकारी ली और स्टाफ से पूछताछ की। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे, डॉक्टर, स्टाफ की उपस्थिति को देखा। इसके बाद वह अस्पताल के अन्य हिस्से में पहुंचे। जहां लाइटें बंद थीं, जिस वजह से अंधेरा पसरा हुआ था। इस पर उन्होंने जल्द से जल्द सुधरवाने के लिए कहा है। उनके साथ एसडीएम आशुतोष शर्मा और जेपी के डॉक्टर मौजूद थे।

हमीदिया अस्पताल

कलेक्टर हमीदिया अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे।जहां पार्किंग में अंधेरा होने और कुछ स्थानों पर लाइटें बंद मिली। सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए। नर्स, डॉक्टर, स्वजन के आने जाने वाले मार्गों का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारियों को बढ़ाने और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था करने के लिए कहा। जिससे कि हमीदिया में आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा है कि जेपी और हमीदिया अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था देखी गई है। एसडीएम को पीडब्ल्यूडी, नगर निगम सहित अन्य विभागों के साथ मिलकर सुरक्षा ऑडिट कर एक सप्ताह में रिपोर्ट तैयार करने निर्देश दिए हैं।

भोपाल। राजधानी में रोहित नगर स्थित फर्स्ट स्टेप स्कूल में जन्माष्टमी उत्सव में बच्चों ने कृष्ण-राधा व गोपियों के रूप धारण कर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस मौके पर प्राचार्य रत्ना शुक्ला ने बच्चों को जन्माष्टमी का महत्व भी समझाया।

कष्ट में भी आनंद की अनुभूति हमारे देश की परंपराओं में रही है: कड़ेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में मप्र हिंदी ग्रंथ अकादमी के संचालक डॉ. अशोक कड़ेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में अलग-अलग संस्कृतियों और भाषाओं के बावजूद हम सब की एक भारतीय संस्कृति है। भारत एक उत्सवधर्मी देश रहा है। शिक्षा का उद्देश्य ही है कि, आपका जीवन उत्सव से पूर्ण होना चाहिए। जितना अंधकार है, वह प्रकाश में समा जाए जो अज्ञान है वह ज्ञान में समा जाए, यही भावना रही है। कष्ट में भी आनंद की अनुभूति हमारे देश की परंपराओं में रही है। इसी का ज्ञान हमारे आने वाले पीढ़ियां को भी करवाना आवश्यक है। प्राचीन ग्रंथो में कहा गया है कि, 1000 हाथ से कमाएँ और 100 हाथ से दान भी करें। इस अवसर पर सभागार में शिक्षा जगत के विद्वानों सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी एवम कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गुरुओं का स्थान तो भगवान से भी ऊपर रखा गया: मिश्रा

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. भरत मिश्रा, कुलगुरु, महात्मा गांधी चित्रकूट विश्वविद्यालय चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि, भारत में प्राचीन काल में गुरुकुल की शिक्षा व्यवस्था थी। गुरुओं का स्थान तो भगवान से भी ऊपर रखा गया है। औपनिवेषिक काल की शिक्षा से आज भारत बाहर निकल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बहुविषयक दृष्टिकोण है। परंपरागत शिक्षा के बंधन से अब मुक्ति मिल गई है। नई शिक्षा नीति के आने से भाषाई कुंठा से मुक्ति मिली है। इसमें विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता है और विद्यार्थियों में मानवीय गुणों के विकास पर बल दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति वास्तव में स्वयं को पहचानने का प्रयास:प्रो. संजय तिवारी

कार्यक्रम के अध्यक्षता मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. संजय तिवारी ने कही।कुलगुरू प्रो. संजय तिवारी ने कहा कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति वास्तव में स्वयं को पहचानने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि, लॉर्ड मैकाले ने पाश्चात्य शिक्षा पद्धति लागू कर हमारी ज्ञान परंपरा का नाश कर दिया। अब पाश्चात्य शिक्षा पद्धति को खत्म करने का काम इतने लंबे अंतराल के बाद होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि, अभी भी हम गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह हुआ नहीं पा रहे हैं। डॉ. तिवारी ने कहा कि, जनसंख्या हमारे लिए वरदान है।

ना फिटनेस की जांच और ना ही इनमें लगे मीटर की

अनफिट-बिना मीटर के चल रहे ऑटो, जिला परिवहन अधिकारी-नियन्त्रक नापतौल विभाग से जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में संचालित ऑटो के अनफिट और बिना मीटर के चलने के मामले में फिटनेस जांचने का जिम्मा आरटीओ के पास है और इनमें लगे मीटर को नापतौल विभाग देखता है लेकिन इसके बावजूद शहर की सड़क पर चलने वाले रिक्शा की ना तो फिटनेस की जांच हो रही है और ना ही इनमें लगे मीटर की। इस कारण ऑटो चालकों द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया लिया जा रहा है। इस मामले में संज्ञान लेकर हाल में मानव अधिकार आयोग ने नियन्त्रक नापतौल विभाग) भोपाल तथा जिला परिवहन अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जन सुविधा एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्?ताह में मांगा है। आयोग के समक्ष शहर के अरेरा हिल्?स जेल पहाड़ी से अनफिट और बिना मीटर के चल रहे ऑटो, जिला परिवहन अधिकारी-नियन्त्रक नापतौल विभाग से जवाब तलब व जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जन सुविधा एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

पब्लिक टॉयलेट बना तबेला

शहर के अरेरा हिल्स जेल पहाड़ी से जहांगीराबाद झदा कब्रिस्तान के पास बने पब्लिक टॉयलेट में गाय-भैंस बांधने का मामला सामने आया है। मामले में आयोग नगर निगम आयुक्त को जाचं के निर्देश दिए हैं। आयोग के संज्ञान में आया है कि, पब्लिक टॉयलेट अब तबेला बन गया है। जानकारी के अनुसार नगर निगम के रिकार्ड में पब्लिक टॉयलेट ही है और स्वच्छता सर्वेक्षण में हर साल इसे वेल मेंनटेन बताया गया है।

सीवेज की गंदगी के कारण लोग परेशान

भोपाल शहर के उपनगर के वार्ड 82 स्थित विनीतकुंज कॉलोनी में सीवेज की गंदगी से वहां रहने वाले लोगों को बदबू और दूषित पानी के कारण कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने आयुक्त नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

शिविर में जो सीखा दूसरों को जरूर बांटे: टेवानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र में चल रहे दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। इस शिविर में निरोगी काया के लिए टिप्स दिए जा रहे हैं। देश के अलग-अलग स्थानों से 84 साधक-साधिकाओं हिस्सा ले रहे हैं। शिविर में गुरूवार को अनुभव सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में डॉ. रमेश टेवानी ने कहा कि शिविर का उददेश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। आप सबका दायित्व यह हैं कि आपने इस स्थान से जितना सीखा हैं उतना दूसरो को बांटे ताकि वो भी आपके जैसे स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखें। जिसके जीवन में प्यार व आनंद हैं, वह साधक कभी भी अस्वस्थ नहीं हो सकते हैं, परिस्थिति कैसी भी हो हमें हमेशा मुस्कुरान व आनंद में रहना चाहिए अनुभव सत्र में शिविरार्थियों ने अपने अनुभवां को साझा करते हुए कहा कि उन्हें दस दिनों में ही बी.पी., डायबीटिज, घुटनों के दर्द, हाथां पैरों के दर्द, अर्थराइटिस, साइनस, सरवाइकल स्पोंडिलाइटिस में काफी आराम हुआ और जीवन शैली के बारे में जाना। कार्यक्रम के अंत में डॉ लता टेवानी आभार व्यक्त किया ।आगामी कैम्प एक से10 सितम्बर2024 तक आयोजित किया जाएगा।

श्रीमद भागवत सप्ताय परायण ज्ञान पाठ 19 सितंबर से

हिरदाराम नगर। सैनिक कॉलोनी नुक्कड वाली माता मंदिर में श्रीमद भागवत सप्ताय परायण ज्ञान 19 से 25 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा, हर दिन दोपहर 12 बजे से कथा व्यास पुराणाचार्य वेदाचार्य अनिलरुद्र तिवारी अष्टादशपुराण प्रवक्ता गुफा धाम मूल पाठ करेंगे। पंडित रवि पटेरिया ने कहा कि पितृपक्ष में पितरो के उत्तम वेकुण्ठ, गौ लोक प्राप्ति के लिए पितृ शांति नारायण बली, त्रिपिण्डी श्राद्ध के साथ साथ पार्वण श्राद्ध का पावन अनुष्ठान सप्ताह पर्यन्त सुनिश्चित है, जो भी श्रीमदभागवत महापुराण मूल पाठ में अपने पितृ देवताओं की आत्मा शांति के लिए मूल पाठ कराना चाहते हैं तो नुक्कड वाली माता मंदिर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

साधु वासवानी स्कूल में खेलों के महत्व पर व्याख्यान

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय में इंटर स्कूल कराते प्रतियोगिता में गोल्ड एवं ब्रान्ज मेडल जीतने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट एवं मेडल दिए गए।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास के साथ-साथ एकाग्रता भी बढ़ती है अतः हमें अपने जीवन में खेलों को उसी प्रकार महत्व देना चाहिए जिस प्रकार हम पढ़ाई को महत्व देते हैं। मध्य प्रदेश वित्त निगम की टिनी तारे पाण्डेय कहा कि खेल दिवस हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंदजी के जन्म दिवस को समर्पित है। खेल में समर्पण, कौशल व जुनून जरूरी होता है, जुनून के साथ आगे ब?ने वाले खेलों में सफल होत हैं। कार्यक्रम में टिनी तारे पाण्डेय एवं केएस मूर्ति का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। विद्यालय की छात्रा विधि एवं कंचन ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर विचार रखे। छात्रा प्रियंका ने कविता सिंधु साक्षी और विनेश ने गौरव देश का बढ़ाया है प्रस्तुत की।

कॉलेज में 120 विद्यार्थी, लेकिन भवन नहीं

भोपाल जिले के बैरागढ़ स्थित फंदा कला में कॉलेज भवन नहीं होने से विद्यार्थियों को ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध तीन कमरों वाले छोटे से जर्जर भवन में पढ़ना पड़ रहा है। जर्जर भवन में कॉलेज संचालित किया जा रहा है, इस कारण शिक्षकों का बैठना भी मुश्किल है। मामले में ने आयुक्त उच्च शिक्षा (म0प्र0) भोपाल से मामले की जांच कराकर महाविद्यालय के लिये उपयुक्त अधोसंरचना की व्यवस्था साथ ही साइंस एवं कम्प्यूटर संकाय के छात्रों के लिये आवश्यक प्रयोगशालाएं, सभी के लिये लाइब्रेरी आदि की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था के सम्बन्ध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

मेट्रो एंकर

संत कॉलेज में कॅरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

'काउंसलिंग सत्र भविष्य की दिशा तय करने वाले होते हैं'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में वाणिज्य विभाग एवं आईसीएआई ने मेगा कॅरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया, जिसमें छात्राओं को विभिन्न रोजगार विकल्पों, कौशल विकास की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि इस प्रकार के सत्र से छात्राओं में रोजगार के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। इससे भविष्य की सफलता के लिए आवश्यक जानकारी और संसाधन मिलते हैं। लक्ष्य निर्धारण और अपनी रुचियों के अनुसार सही करियर विकल्प चुनने के लिए यह एक महत्वपूर्ण सत्र है।

विषय विशेषज्ञ के रूप में पारूल अग्रवाल, अध्यक्ष,आई.सी. ए.आई. एवं सुरभि अग्रवाल, समिति सदस्य उपस्थित थीं।विषय विशेषज्ञों ने चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए) पाठ्यक्रमों पर व्यापक जानकारी प्रदान की, जिसमें पात्रता मानदंड, प्रवेश प्रक्रिया, वित्तीय प्रशिक्षण, और आर्टिकलशिप के महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहराई से चर्चा की। उन्होंने आज के समय में लेखाकार पद के लिए आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें प्रौद्योगिकी में प्रगति, स्थिरता पहल, और वैश्वीकरण के प्रभाव जैसे उभरते हुए विषय सम्मिलित है।

प्रो.आकांशा अरोरा, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग ने कहा कि यह सत्र बहुत ही संवादात्मक था, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी शंकाओं का समाधान किया। इस सत्र से उन्हें सीए बनने के लिए भविष्य के परिदृश्य की गहन समझ प्राप्त हुई।

सीएसआर शिखर सम्मेलन में निरंकारी चैरिटेबल ट्रस्ट सम्मानित

हिरदाराम नगर। जन कल्याण के लिए संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन को सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित सी. एस. आर. शिखर सम्मेलन के 11वें संस्करण के पुरस्कार समारोह में यू.बी.एस. फोरम द्वारा वर्ष के सबसे प्रभावशाली एन. जी. ओ. के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित अर्वाड को प्राप्त करने हेतु संत निरंकारी मण्डल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा उपस्थित हुए जिन्होंने इस गौरवशाली सम्मान को प्राप्त करते हुए कहा कि संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन को प्राप्त हुए इस प्रकार के अनेक विशेष पुरस्कार, विभिन्न सामाजिक और धर्मार्थ प्रयासों में किए जा रहे उसके प्रभावशाली कार्यों को उजागर करते हैं जो सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी की

अनमोल एवं प्रेरणादायक शिक्षाओं का ही सुंदर परिणाम है। निसंदेह यह क्षण हम सभी के लिए एक गौरवमयी पल है। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन समाज के हर क्षेत्र में अपनी कल्याणकारी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहा है जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण विशेष हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एस. एन. सी. एफ. के स्वयंसेवकों द्वारा एक इंटरैक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से मिशन द्वारा किए गए विभिन्न प्रभावशाली कार्यों को भी प्रदर्शित किया गया।

17 सीएम राइज स्कूलों को जल्द मिलेगा भवन

पांच किलोमीटर के दायरे के छात्रों का होगा प्रवेश

लोक शिक्षण संचालनालय ने प्रवेश को लेकर जारी किए नए दिशा-निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 17 सीएम राइज स्कूल के भवन पूर्ण होकर विभाग को जल्द हस्तांतरित होंगे। ऐसे में स्कूल शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों में प्रवेश को लेकर नए आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में कहा गया है कि इन स्कूलों के पास स्थित सरकारी स्कूलों में नामांकित विद्यार्थियों को प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाएगा। आगे भी जिन स्कूलों के भवन पूर्ण होते जाएंगे उनमें भी इसी प्रकार पास स्थित स्कूल के विद्यार्थी प्रवेश के लिए पात्र होंगे। इस संबंध में राज्य में नीति निर्धारित की जा रही है।?सभी सीएम राइज स्कूलों से पांच किलोमीटी के दायरे में आने वाले सभी सरकारी स्कूलों की जानकारी का फार्मेट एक्सल पर भेजा गया है।

शिक्षक कांग्रेस ने किया विरोध:

इधर शासन के इस आदेश का मप्र शिक्षक कांग्रेस ने विरोध किया है। शिक्षक कांग्रेस के प्रांताध्यक्ष सतीश शर्मा कहा कि सीएम राइज स्कूलों में शासकीय स्कूलों के छात्रों को शिफ्ट करने की योजना है, जिससे सरकारी स्कूल बंद होंगे और शिक्षकों की कमी बढ़ेगी। इससे निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा का अधिकार यानी आरटीई की धाराओं का भी उल्लंघन होगा।

पीसीसी में अब पूर्व पदाधिकारियों के 'पोस्टर' लगे!

नया करने की अजब धुन, संगठन महामंत्री कक्ष में मानक की *वापसी*, पचौरी को नहीं मिली जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस के मुख्यालय में साजसज्जा के अनथक दौर में कल एक नया रंग जुड गया। पदाधिकारी जब अपने कक्षों में पहुंचे तो उन्हें वहां पूर्व पदाधिकारियों के फोटो लगे मिले। आमतौर पर यह परंपरा सरकारी कार्यालयों में शीर्ष पदों पर बैठे पूर्व व मौजूदा पदाधिकारियों के मामले में अपनाई जाती है, जिसमें उनका कार्यकाल भर लिखा जाता है, लेकिन कांग्रेस ने एक कदम आगे बढ़कर पूर्व अध्यक्षों व संगठन महामंत्री से लेकर मीडिया विभाग तक के पूर्व पदाधिकारियों के फ्लेक्सनुमा फोटोयुक्त पोस्टर लगा दिये हैं। यह करीब सात-आठ फीट तक के हैं। कुछ ऐसे हैं जो कांग्रेस मे पद पर रहने के बाद पार्टी छोड़कर चले गये, फिर वापस आ गए हैं लेकिन अध्यक्षों की सूची में सुरेश पचौरी का नाम और फोटो गायब है। उनके भाजपा में शामिल हो जाने को इसकी वजह बताया जा रहा है। हालांकि दलबदल कर कांग्रेस में लौट आए नेताओं को जगह मिल गई है।

कांग्रेस के संगठन महामंत्री के कक्ष में पूर्व संगठन प्रभारियों जगतपाल सिंह समेत मानक अग्रवाल, इंदर प्रजापत, नर्मदाप्रसाद शर्मा से लेकर राजीव सिंह तक के नाम व फोटो लगे हैं। मानक का फोटो व उल्लेख मीडिया कक्ष में लगी लिस्ट में भी है। अधिकांश नेता ऐसे भी हैं जो पार्टी के गुटीय संतुलन में फिट नहीं बैठने की वजह से इन दिनों मुख्यधारा से बाहर रखे गये हैं। कुछ के साथ जबर्दस्त विवाद आदि भी जुड़े रहे हैं।

प्रदेश कार्यालय के मीडिया कक्ष में भी मानक अग्रवाल का उल्लेख है वहीं शोभा ओझा, केके मिश्रा व मौजूदा मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक का फोटो लगाया गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के कक्ष में भी सभी नेता प्रतिपक्ष रहे नेताओं के फोटो लगा दिए गए हैं। दूसरी मंजिल पर सभागार में कांग्रेस नेताओं के फोटो हैं।

उल्लेखनीय है कि नये कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अपनी नियुक्ति के आठ महीने बाद भी कार्यकारिणी का गठन नहीं कर पाए हैं। कुछ पुराने पदाधिकारियों को प्रभारी बनाकर काम चला रहे हैं। दूसरी तरफ, कांग्रेस मुख्यालय यानि पीसीसी में साज सज्जा,अतिरिक्त निर्माण का दौर करीब तीन महीने से जारी है। कई नये निर्माण वास्तुदोष दूर करने की गरज से या किये या तोड़े गये हैं। कक्षों को तोडकर बडे हाल बनाए गए हैं। इसी कडी में पिछले दिनों पार्टी कार्यालय के गेट पर दफ्तर खुलने व बंद होने का समय लिख दिया गया था, किसी राजनीतिक दल के कार्यालय की टाइमिंग व संडे अवकाश की सूचना अपने तरह का पहला मामला था,इस पर विवाद होने के बाद इसे हटाना पड़ा।

मप्र में कांग्रेस के पास 80 के पहले का रेकार्ड नही !

खास बात यह है कि कांग्रेस कार्यालय के प्रबंधकों ने मोटेतौर पर वर्ष 80 से अब तक के पदाधिकारियों का उल्लेख किया है। एक पदाधिकारी का कहना है कि इसके पहले, अध्यक्षों के अलावा अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कौन नेता रहा, यह जानकारी या रेकार्ड पार्टी कार्यालय के पास नहीं हैं !

मध्यप्रदेश को जल्द मिलेंगे 1150 करोड़ रु.

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात में सीएम को मिला भरोसा मप्र को केंद्र सरकार जल्द ही 1150 करोड़ रुपये देगी। यह राशि दौधन बांध एवं लिंक नहर के भू-अर्जन एवं पुनर्विस्थापन के लिए दी जाएगी , जो प्रभावितों को भू-अर्जन के बदले दिए जाएंगे। उज्जैन में होने वाले सिंहस्त से पहले नदी घाटों के जीरोद्धार एवं अन्य कामों के लिए भी केंद्र मध्य प्रदेश की मदद करेगा। ऐसे दो प्रस्ताव मध्य प्रदेश द्वारा केंद्र को भेजे जाएंगे। यही नहीं केन बेतवा लिंक परियोजना में सिंचाई का दायरा भी बढ़ेगा। इन विषयों पर मुख्यमंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील के बीच चर्चा में सहमति बनी है। मुख्यमंत्री की केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी से भी मुलाकात हुई। जिसमें मप्र के ऊर्जा सेक्टर को मजबूती देने से जुड़े विषयों पर बात हुई है। मुख्यमंत्री ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव में हिस्सा लेने के बाद बुधवार को दिल्ली गए थे वह गुरुवार को दिल्ली में रहे, जहां केंद्रीय नेतृत्व के कई दिग्गजों से उनकी मुलाकात हुई। केन-बेतवा परियोजना के तहत वर्तमान में दमोह- पन्ना उद्वहन सिंचाई योजना शामिल है, जिसमें 90,100 हेक्टेयर सिंचाई के रकबे का प्रावधान किया है। सरकार उक्त रकबे को 2,50,000 हेक्टेयर तक बढ़ाना चाहती है इसके लिए पन्ने एवं ब्यरमा सिंचाई परियोजना को शामिल करने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पार्वती कालीसिंध चंबल परियोजना और कान्ह और गंभीर नदियों को जोड़ने के प्रस्तावों की भी जानकारी दी। यह भी बताया कि मप्र ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत 21 में से 17 योजनाएं पूरी कर ली है।

प्रदेश में 416 पीएमश्री स्कूलों में पढ़ाई कर रहे 2 लाख 40 हजार विद्यार्थी, प्राचार्यों को दिलाई ट्रेनिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में केन्द्र सरकार से सहयोग से पीएमश्री योजना में 416 पीएमश्री स्कूल संचालित किये जा रहे हैं। इन स्कूलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों को दी जा रही है। इन स्कूलों में करीब 2 लाख 40 हजार से अधिक बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यालयों को वर्ष 2023-24 में करीब 220 करो? रूपये का प्लान मंजूर हुआ है। केन्द्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा द्वितीय चरण में प्रदेश में 137 अतिरिक्त विद्यालयों का चयन किया गया है, जिसमें प्रदेश की 13 माध्यमिक स्कूल, 52 हाई स्कूल और 72 हायर सेकण्ड्री स्कूल शामिल हैं। इन शालाओं में करीब 92 हजार विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यालयों के एक लाख से ज्यादा छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण हो चुका है। सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी में डिजिटल लाइब्रेरी, आईसीटी लेब एवं स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके अतिरिक्त इन विद्यालयों की बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अभी तक पीएमश्री स्कूलों के 180 प्राचार्य इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। प्रदेश में पीएमश्री स्कूल की वित्तीय व्यवस्था 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार के माध्यम से और 40 प्रतिशत राज्य सरकार के माध्यम से की जा रही है।

संपादकीय

भरोसा दिलाने की जरूरत

कोलकाता में डाक्टर से बलात्कार और हत्या मामले को लेकर उभरा लोगों का रोष स्वभाविक है,मगर सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद भी यह कम होने के बजाए बढ़ता जा रहा है। ताजा हालात में यह अब सियासी मुद्दा भी हो गया है। अदालत ने तो घटना के विरोध में आंदोलन कर रहे चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील की थी। कार्रवाई में बरती गई शिथिलता और लापरवाहियों को लेकर पुलिस और चिकित्सालय प्रशासन को फटकार लगाई थी। मंगलवार को पश्चिम बंग छात्र समाज का 'नवान्न' अभियान इसका नया मोड है। यह छात्रों का गैरराजनीतिक मंच है और इसकी तीन प्रमुख मांगें हैं- पीड़िता को न्याय मिले, मुख्यमंत्री अपने पद से इस्तीफा दें और अपराधी को मृत्युदंड मिले। अब छात्रों के विरोध में कुछ सरकारी कर्मचारी संगठनों ने भी अपना स्वर मिला दिया है। उधर भाजपा ने बुधवार को बारह घंटे के बंगाल बंद का आह्वान किया था, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कई जगह झड़पें भी हुईं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रपति ने भी अपने संबोधन में कहा कि अब समय आ गया है कि बेटियों पर अत्याचार को सहन न किया जाए। किसी भी हाल में महिलाओं का उत्पीड़न रुकना चाहिए। स्वाभाविक ही इस सबसे ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सियासी बयानबाजियां भी तेज हो गई हैं। ममता बनर्जी इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे भाजपा का हाथ बता रही हैं और उनका आरोप है कि केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। विपक्षी गठबंधन के नेता भी इसमें सियासी रंग घोल रहे हैं। इस तरह कोलकाता बलात्कार और हत्या प्रकरण में अब असल मुद्दे पर कार्रवाई से अधिक राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है हालांकि इस घटना को बीस दिन हो गए और शुरू में ही ममता बनर्जी ने इस पर सख्त रुख अख्तियार कर लिया था। आरोपी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया, लापरवाही बरतने वाले अस्पताल प्रशासन के खिलाफ भी कार्रवाई कर दी गई। मामले की जांच का जिम्मा सीबीआइ को सौंप दिया गया। मगर बाद में कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए जिससे सरकार पर सवाल उठने लगे। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। आरोपी के सच से सामना कराने के लिये पालिग्राफ से कुछ तथ्य सामने आने की उम्मीद बनी हुई है। मगर लोगों की नाराजगी कम होने का नाम नहीं ले रही, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। दरअसल आपराधिक मामलों में ममता बनर्जी सरकार का रवैया संतोषजनक नहीं देखा गया है। उन सबका मिलाजुला, लंबे समय से जमा रोष इस घटना के बाद फूट पड़ा है। कोलकाता चिकित्सक बलात्कार और हत्याकांड को लेकर पूरे देश में आक्रोश प्रकट हुआ है, तो उसके पीछे भी बड़ी वजह महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बरती जा रही शिथिलता है। राष्ट्रपति के बयान को भी बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है कि निर्भया कांड के बारह बरस बाद भी ऐसे जघन्य अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे। मगर जब तक सरकारें राजनीतिक नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर इस दिशा में सामूहिक प्रयास से कोई व्यावहारिक और कारगर कदम नहीं उठाएंगी, तब तक ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना मुश्किल बना रहेगा। जरूरत इस बात की है कि सीएम ममता बनर्जी इसे राजनीतिक रस्साकशी का मुद्दा बनाने के बजाय लोगों को यह भरोसा दिलाने में जुटें कि वे सचमुच महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं और बलात्कार तथा हत्या मामले में न्याय दिलाने का हरसंभव प्रयास कर रही हैं तथा बंगाल को अपराधमुक्त व विकास की दिशा में बढाने का प्रयास कर रही हैं।

कठिनाइयों पर क़ाबू पाने से हममें साहस और स्वाभिमान आता है और हम ख़ुद को जान लेते हैं।

-अल्फ़्रेड एडलर

आज का इतिहास

- 1422: हेनरी षष्ठम महज नौ महीने की उम्र में ब्रिटेन के राजा घोषित किए गए।
- 1827: प्रथम विस्काउंट गोडेरिच ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1871: एडॉल्फे थियर्स फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति बने।
- 1881: अमेरिका में पहली बार टेनिस चैंपियनशिप खेला गया।
- 1920: अमेरिकी शहर डेट्रायट में रेडियो पर पहली बार समाचार प्रसारित किया गया।
- 1956: भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को मंजूरी दी।
- 1957: मलेशिया ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1962: कैरेबियाई देश टोबैगो एवं त्रिनिदाद ब्रिटेन से स्वतंत्र हुए।
- 1964: कैलिफोर्निया आधिकारिक रूप से अमेरिका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रांत बना।
- 1968: भारत में टू-स्टेज राउंडिंग रॉकेट रोहिणी-एमएसवी 1 का सफल प्रक्षेपण किया गया।
- 1983: भारत के उपग्रह इनसेट-1 बी को अमेरिका के अंतरिक्ष शटल चैलेंजर से प्रसारित किया गया।
- 1991: उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1993: रूस ने लिथुआनिया से अपने आखिरी सैनिकों को वापस बुलाया।
- 1994: आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने लंबे संघर्ष के बाद यूद्ध विराम की घोषणा की।
- 1997: ब्रिटेन की राजकुमारी और राजकुमार चार्ल्स की पूर्व पत्नी डायना की पेरिस में कार दुर्घटना में मृत्यु।
- 1998: उत्तरी कोरिया ने जापान पर बैलिस्टिक मिसाइल दागा।
- 2005: ईराक की राजधानी बगदाद में धार्मिक अवसर पर फिदायीन हमले के भय से मची भगदड़ में 816 लोग मारे गये।
- 2008: सरकार ने अमरनाथ भूमि विवाद सुलझाया।
- 2010: इराक में अमेरकी सैनिक हस्पक्षेप आधिकारिक रूप से समाप्त।

निशाना

हो रहे तैयार !

- कृष्णेन्द्र राय

जीतने को बाज़ी ।
हो रहे तैयार ।।
लगा देंगे ज़ोर अब ।
बनना असरदार ।।
देनी उनको मात है ।
खोज रहे तरकीब ।।
ना हो जाए स्थिति ।
आगे कुछ अजीब ।।
कर सही विश्लेषण ।
है निकालना हल ।।
आज से भी अच्छा ।
कर लेना है कल ।।
साध रहे निशाना ।
ना अब जाना चूक ।।
होता रहे कुछ भी ।
बैठ ना सकते मूक ।।

मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल: सध पा रहा है पहले की तरह आत्मविश्वास और शक्ति का संतुलन?

■ अमिय भूषण

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का एक बयान इन दिनों सुर्खियों में है। इस बयान में उन्होंने कहा है की हमने प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास को तोड़ दिया है। राहुल गांधी के इस बयान के निहितार्थ को समझाने के लिए मोदी सरकार के हालिया निर्णय ही पर्याप्त है। अभी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आरक्षण के मौजूदा स्वरूप पर एक निर्णय आया है। इसमें आरक्षण लाभार्थियों में से सुसम्पन्न परिवारों को बाहर किए जाने की सिफारिश की गई है। दरअसल, कुछेक परिवार ही पीढ़ियों से इसका लाभ लेते आए हैं। इधर एक बड़ा तबका अब भी विकास से कोसों दूर है। ऐसे में इन अभावग्रस्त परिवारों के उन्नयन हेतु ये आवश्यक है कि इस वर्ग से आने वाले सुसम्पन्न परिवार सुविधाओं का परित्याग करे। इनके द्वारा छोड़ी गई सुविधाओं के लाभार्थी केवल इनकी ही जाति एवं सामाजिक वर्ग के हित में होना है। ऐसा नहीं है कि माननीय न्यायालय ने बिना प्रमाणों एवं विचार के ही अपना मंतव्य रखा है।इसके अपने कारण है दरसल हर शासकीय जनगणना एवं विभिन्न सर्वेक्षणों के उपरांत इस विषमता के साक्ष्य प्रमाण मिलते रहे है। इस नाते कई दलित बुद्धिजीवी एवं नेताओं ने भी आगे आकर बदलाव की बात की है।

इधर, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस बदलाव का स्वागत किया है। वहीं राजस्थान के पूर्व मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इस बदलाव को जरूरी बताया है। जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ संजय पासवान उन गिने-चुने दलित बुद्धिजीवी एवं राजनेता के तौर पर है जो इस बदलाव के हमेशा से हिमायती रहे है। यही नही उन्होंने अपने बच्चों को भी आरक्षण का लाभार्थी बनने नही दिया है। इस बीच इससे मिलते जुलते एक और मामले पर भी मोदी सरकार अपने निर्णय से पलटी मार चुकी है। अभी हाल ही में भारत सरकार के कुछेक प्रशासकीय पदों पर सीधे नियुक्ति का मामला था, जिनके अंतर्गत विभाग विशेष मे कार्य विशेषज्ञताओं से परिपूर्ण अनुभवी एवं बेहद पेशेवर व्यक्तियों की नियुक्ति होनी थी।सरकार के चौबीस मंत्रालयों मे ऐसे करीब पैंतालीस अधिकारियों की नियुक्ति अगले पांच वर्ष के लिए होनी है। ऐसी नियुक्तियों का दुनियाभर में चलन है अमेरिका से लेकर इंग्लैंड तक मे यह प्रभावी है।किंतु इस पर भी राहुल गांधी द्वारा सवाल खड़ा किया गया है।यहां बजाय इनके उपयोगिता एवं योग्यता पर प्रश्न की जगह नियुक्ति मे आरक्षण न होने को तूल दिया गया है।जबकि एकल पदों पर आरक्षण का प्रावधान ही नही है। वहीं अतीत के कांग्रेस सरकार में ऐसी नियुक्तियों के कई उदाहरण है।जिसके अंतर्गत मनमोहन सिंह,मॉन्टेक सिंह अहुवालिया, रघुराज रामन सैम पित्रोदा एवं सोनिया गांधी लाभान्वित हुई है।किंतु विपक्ष द्वारा बनाये गए मुद्दे को लेकर सरकार यहां भी अपने निर्णय से पीछे हटी है।जिसकी परिणति संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस विज्ञापन के जारी होने के तीसरे दिन इसका निरस्त होना है।वैसे इन मुद्दों का सबसे असमंजसपूर्ण पहलू सरकार मे बैठे लोगो का परस्पर विरोधी वक्तव्यों का आना है। बात प्रशासकीय सेवा चयन मुद्दे की करे तो मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के वक्तव्य बेहद सधे थे।आरक्षित वर्ग आने वाले इस पूर्व नौकरशाह ने इसके विषय मे बेहतरीन दलीलें दी थी। किंतु इसी मुद्दे पर मंत्री चिराग पासवान ने विरोध पूर्ण वक्तव्य देने करने का काम किया।वही सहयोगी दल जदयू ने भी असहमति प्रकट की है।

दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकताओं में सामाजिक न्याय सर्वोपरि है। वैसे केवल ऐसे दो मामले ही नहीं हैं। इसी महीने केंद्र सरकार ने वक्फ बोर्ड की कार्यप्रणाली मे सुधार हेतु एक संशोधन विधेयक लाया था, जिसे विपक्ष के विरोधी तेवर को देखते हुए अकारण संयुक्त संसदीय समिति के हवाले कर दिया गया, जिसके प्रतिनिधि सत्ता एवं विपक्ष दोनों के सदस्यगण होते हैं। ऐसे में अब इस बात की पूरी आशंका है कि यह प्रारूप अधर में लटकेगा। अगर यह सदन पटल पर आया तो भी अपने मूल सुधारात्मक स्वरूप में कतई नहीं होगा। दरसल लगातार ऐसे संशयात्मा निर्णय सरकार की मनसा,प्रगतिशील सोच एवं बदलाव संबंधित प्रयासों पर प्रश्न खड़ा करते हैं।

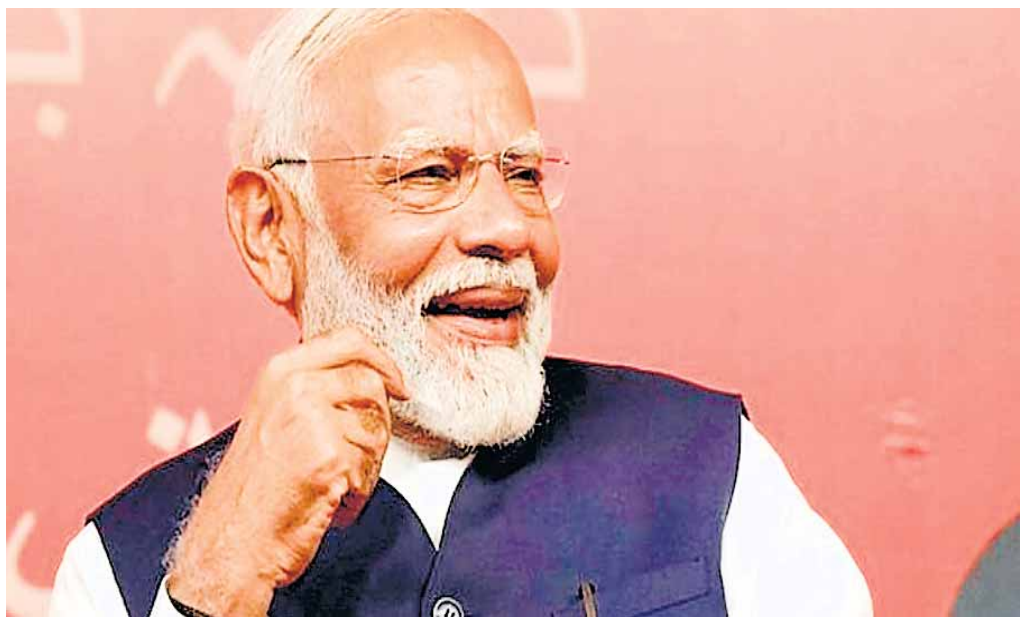

वहीं यह निश्चित ही विपक्षी दबाव और सत्ता पक्ष के आपसी समन्वय के अभाव का सूचक है। अन्यथा चिराग पासवान तथा नीतीश कुमार की पार्टी सार्वजनिक रूप से भला क्यों विभिन्न मुद्दों पर असहमति प्रकट करती? वहीं वक्फ विधेयक पर तेलगुदेशम द्वारा न्यायिक संवैधानिक पहलुओं के विचार की जगह मजहबी मौलानाओं से संवाद का सुझाव भी निश्चित ही इसी प्रकार का है। ऐसे ही सोच और समझ का परिणाम अब समान नागरिक संहिता की जगह पंथ निरपेक्ष नागरिक कानून की बात है।

प्रधानमंत्री ने इस स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से इसके लाए जाने की बात की है। जबकि यह नागरिकों के बीच बिना किसी भेदभाव के एक समान अधिकार व्यवहार एवं दंडविधान की वकालत करता है। यह संविधान की मूल भावनाओं की न्याय सम्मत अभिव्यक्ति है। किंतु जब देश के प्रधानमंत्री ही इसे लेकर ऐसे संशय तथा परिवर्तनों वाले सोच से भरे हों, ऐसे में इसका भी हश्र निश्चित ही दुर्भाग्यपूर्ण होगा। दरअसल अतीत के कई ऐसे मसलें हैं जिस पर प्रभावी पहल के बावजूद भाजपा सरकार असफल सिद्ध हुई है। यहां तक कि कई मामलों में तो न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बाद भी भाजपा शासन इन निर्णयों पर अडिग नहीं रही। पिछले एक वर्ष से अशांत मणिपुर समस्या का मूल कारण आरक्षण से संबंधित रहा है। यहां के मूल निवासी मैतेई बहुसंख्यक होने के बावजूद आरक्षण दायरे से बाहर होने के नाते कई प्रकार की समस्याओं से जूझते आ रहे हैं। ये समुदाय अपने ही प्रांत में कहीं भी भूमि क्रय कर बस नहीं सकता है। वही यहां लागू दोहरे आरक्षण विधानों के नाते भूमिपुत्र मैतेई सरकारी नौकरियों मे भी पर्याप्त हिस्सेदारी से वंचित है।

ऐसे में इनके पक्ष में आए न्यायिक निर्णय के बावजूद भाजपा शासन इन्हें आरक्षण दायरे में शामिल करने मे अक्षम सिद्ध हुई है।विदेशी शक्तियों के षड्यंत्र एवं विपक्षी राजनैतिक दबाब के नाते ऐसे कई घटनाक्रम विगत् वर्षों में हुए है। सन् 2021 मे तेरह महीनों तक चला अराजक किसान आंदोलन भी कुछ ऐसा ही था। आंदोलन की आड़ में अलगाववादी शक्तियां अराजकता को बढ़ावा दे रही थीं। वहीं यह देश की छवि को खराब करने तथा सरकार को अस्थिर करने का भी उपक्रम था। बात अगर सुधारों की हो तो पूर्ववर्ती सरकारों के समय आए कृषि सुधार प्रस्तावों को तीन कृषि कानूनों के द्वारा इस सरकार में लाया गया था। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ.स्वामीनाथन की पूरी रिपोर्ट जो की कांग्रेसनीत गठबंधन सरकार के दौरान आई थी वो पूरी की पूरी लागू होनी थी। किंतु मोदी सरकार अपने इस निर्णय पर भी कायम नही रह पाई। वैसे ये मोदी शासन के पूर्ववर्ती कार्यकाल की इकलौती घटना नहीं है। इससे पहले माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने दलित उत्पीड़न अधिनियम के दुरुपयोग पर रोक लगाने का निर्णय दिया है, जिसके उपरांत विरोध प्रदर्शनों को देखकर भाजपा शासन ने इसे संसदीय प्रस्ताव से पलट दिया था। विदित हो कि ऐसा ही एक न्यायिक निर्णय शाहबानों प्रकरण भी हुआ था।

जबकि इन सभी निर्णयों का सीधा संबंध देश के तीव्र गति विकास एवं शांतिपूर्ण सामाजिक ताने-बाने से रहा है। इस बीच सबसे दुखदाई बात है सरकार,भाजपा पार्टी और इससे जुड़े आरएसएस समूह के संगठनों की ऐसे सभी मुद्दों पर निष्प्रभावी पहल और इनका निष्क्रिय एवं आत्ममुग्ध होना। ऐसे में दो ही विकल्प बचते है। देशहित में सरकार ऐसे हर मुद्दे पर जनमानस में एक व्यापक समर्थन तैयार करे। वहीं प्रत्येक मसले पर पूरी तैयारी के साथ आए तथा बिना दबाव के इसे लागू करें और अपने निर्णयों पर बनी रहे।

-साभार: यह लेखक के विचार हैं।

बेतुकी बयानबाजी का हक नहीं नेताओं को

■ विश्वनाथ सचदेव

टीवी पर एक कार्यक्रम आया करता है 'आपकी अदालत'। इस अदालत के 'वकील' से किसी ने पूछा था, 'अभिनेता अच्छे नेता होते हैं या नेता अच्छे अभिनेता', तो 'वकील साहब' को यह कहने में तनिक भी देरी नहीं लगी कि नेता अच्छे अभिनेता होते हैं! और इस उत्तर पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजायी थीं। अर्थात श्रोता भी यह जानते-मानते थे कि हमारे नेता अच्छे अभिनेता हैं! नेता-अभिनेता वाला यह प्रसंग आज अचानक तब याद आ गया जब एक नयी-नयी नेता बनी अभिनेत्री को किसान-आंदोलन के संदर्भ में यह कहते सुना कि हमारे देश में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा करने का षड्यंत्र रचा जा रहा था। उसी सांस में उस नेता-अभिनेता ने यह भी कह दिया कि साल भर से अधिक समय तक चलने वाले उस आंदोलन में 'लाशें लटकी हुई थीं और बलात्कार हो रहे थे।' यह सही है कि उस आंदोलन के दौरान अनेक किसानों की मृत्यु हुई थी, पर उसे 'लाशें लटकना' कहना क्या माने रखता है, यह बात शायद उस अभिनेता को समझ नहीं आयी थी, और फिर किसान आंदोलन के दौरान दुराचार की बात करने से कितना राजनीतिक नुकसान हो सकता है, यह भी उस अभिनेत्री की समझ से परे की बात थी।

यह नेता-अभिनेता भाजपा की सांसद हैं, और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इस नुकसान को समझ रहा था। उसने तत्काल इस नए नेता को चुप रहने का आदेश दिया। स्पष्ट कह दिया गया कि यह नयी बनी नेता अपने मन की बात कह रही थी, और पार्टी की ओर से नीति-विषयक बयान देने का उसे कोई अधिकार नहीं है। निकट भविष्य में ही हरियाणा में होने वाले चुनाव को देखते हुए भाजपा की यह सफाई ज़रूरी थी। इस स्पष्टीकरण से नुकसान की कितनी भरपाई हुई है यह तो आने वाला कल ही बतायेगा, पर यह सारा प्रसंग इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारा राजनीतिक नेतृत्व सुर्खियां बटोरने और राजनीतिक लाभ उठाने के लिए, कभी भी, कुछ भी कह सकता है!

ऐसे अवसर पर बड़ी आसानी से राजनीतिक नेतृत्व यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेता है कि यह कथित नेता का निजी बयान है। सवाल उठता है, इस तरह की निजी राय रखने वाले व्यक्ति को राजनीतिक पार्टियां तरजीह ही क्यों देती हैं? किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य होने का सबसे महत्वपूर्ण मतलब यह होता है कि व्यक्ति पार्टी की रीति-नीति में विश्वास रखता है।

उसका आचरण इसी विश्वास के अनुरूप होना चाहिए। लेकिन, दुर्भाग्य से, हमारे देश में नीतियों के आधार पर राजनीतिक दलों का बनना और चलना अब कतई आवश्यक नहीं रहा! रीतियों-नीतियों को लेकर दावे ज़रूर किए जाते हैं, पर व्यवहार में ऐसा कुछ दिखाई नहीं देता। यदि ऐसा न होता तो नेताओं का आये दिन दल बदलना हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं बनता। न किसी व्यक्ति को दल बदलते हुए कोई शर्म आती और न ही किसी दल को किसी ऐसे व्यक्ति को अपने साथ जोड़ने में कोई संकोच होता है जिसे वह कल तक भ्रष्ट, अपराधी और न जाने क्या-क्या कहकर दुत्कारा करता था। मतदाता किसी उम्मीदवार को वोट देते समय जिन दो बातों का मुख्य रूप से ख्याल रखता है, उनमें पहली व्यक्ति की वैयक्तिक ईमानदारी है और दूसरी उसके दल की रीति-नीति। दुर्भाग्य से, अब हमारी राजनीति में इन दोनों बातों का कोई महत्व नहीं रह गया है– महत्व सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ साधने का है।

सामान्य व्यवहार में भी सामान्य जन इस बात का ध्यान रखता है कि 'चार लोग क्या कहेंगे?' पर हमारे राजनेताओं को कुछ भी कहने-करने में संकोच नहीं होता। किसी ने भाजपा की उस नेत्री से यह नहीं पूछा कि उसने हत्याओं और बलात्कारों वाली बात किस आधार पर कही थी? और अब भी उसने अपनी उस आपराधिक गलतबयानी पर क्षमा क्यों नहीं मांगी? वस्तुत- जुमलेबाजी हमारी राजनीति का एक ज़रूरी हिस्सा बन गयी है। राजनेता और राजनीतिक दल इस जुमलेबाजी को अपना अचूक हथियार मानर चलते हैं। राजनीतिक स्वार्थ का साधना ही एकमात्र कसौटी है जिस पर वे अपने कहे-किये को नापते हैं! कौन भूल सकता है कि सत्तारूढ़ पार्टी के सर्वोच्च नेताओं में से एक ने बड़ी आसानी से प्रधानमंत्री की 15 लाख रुपये वाली बात को चुनावी जुमला कहकर पीछा छुड़ा लिया था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे को महान घोषित करने वाले को कभी मन से न माफ कर पाने की बात भी हमारे प्रधानमंत्री ने ही कही थी– फिर उसी व्यक्ति को पार्टी का उम्मीदवार घोषित कर दिया गया! क्या यह नहीं पूछा जाना चाहिए कि क्या उस नेता को मन से माफ कर दिया गया है? कुछ भी कह कर भूल जाने का यह अधिकार राजनेताओं को किसने दिया है? और सवाल यह भी है कि क्या मतदाता को अपने नेता द्वारा कही गयी बात को याद नहीं रखना चाहिए?

नेताओं की ईमानदारी और मतदाता की सतत? जागरूकता, दोनों, जनतंत्र की सार्थकता की शर्तें हैं। ज़रूरी है कि ये दोनों शर्तें हमें लगातार याद रहें और हम अपनी कथनी-करनी को इन कसौटियों पर लगातार कसते रहें। न तो हम किसी भी नेता को कुछ भी कहने की आज़ादी दे सकते हैं और न ही नेताओं को यह मानने का अधिकार कि वह कुछ भी कह कर बच निकल सकते हैं। यही नहीं, यह मतदाता का कर्तव्य और अधिकार है कि वह अपने नेताओं से उनके कहे-किये का हिसाब मांग सके।

बहरहाल, बात कहने वाली अभिनेत्री-नेता ने अब तक अपने कहे पर पश्चाताप व्यक्त नहीं किया है। हमारे नेता यह मानकर चलते हैं कि जनता की याददाश्त बहुत कमज़ोर होती है। आवश्यकता उनकी इस धारणा को गलत सिद्ध करने की है। नेताओं द्वारा कही गयी हर बात और किया गया हर काम जनता की अदालत में रखा जाना चाहिए। फैसला करने का अधिकार देश की जनता का है, इसलिए जनता का दायित्व बनता है कि वह नेतृत्व के आचरण पर कड़ी नजर रखे। पांच साल में एक बार वोट देना ही पर्याप्त नहीं है, इस बात का भी ध्यान रखना ज़रूरी है कि हमारे वोट से नेता बना व्यक्ति अपने वादों और दावों पर खरा उतर रहा है कि नहीं। न हम उसे कुछ भी कहने-करने का अधिकार दे सकते हैं और न ही ऐसा अवसर उसे मिलना चाहिए कि वह हमें अपनी मुट्ठी में समझे। राजनेता और राजनीतिक दल, दोनों को यह बात समझनी होगी, और यदि वे नहीं समझते, तो उन्हें समझाना होगाङ्क दांव पर हमारा भविष्य लगा है!

-साभार: यह लेखक के विचार हैं।

विशेष अभियान चलाकर दिया जा रहा है निराश्रित गौवंश को आश्रय

गौशाला के अतिरिक्त अस्थायी स्थलों पर की गई है गौवंश सुरक्षा की व्यवस्था

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

निराश्रित गौवंश को आश्रय देने एवं राहगीरों को दुर्घटना से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से विगत 15 दिवस से जिले में विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे इस अभियान के तहत निराश्रित गौवंश हेतु स्थायी शासकीय गौशालाओं, निजी गौशालाओं की क्षमता का अनुसार गौवंश की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी, साथ ही अस्थायी रूप से भी विभिन्न प्रयास किये गये है। जिसकी जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सोजान सिंह रावत द्वारा बताया गया कि सर्वप्रथम सभी शासकीय व निजी गौशालाओं की क्षमता का आंकलन किया गया, तत्पश्चात जिले के मुख्य मार्गो से गौशालाओं की मैपिंग करायी गयी एवं यह सुनिश्चित किया गया कि सर्वप्रथम अति व्यस्त मार्गो से गौवंश को गौशालाओं में स्थानान्तरित किया जावे। इस हेतु जनपद स्तर से नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये एवं हॉका दल बनाये गये। जिले में कुल संचालित 41 निजी एवं शासकीय गौशालाओं, जिनकी कुल क्षमता 4980 है वहां क्षमता अनुसार गौवंश रखने के बाद भी निराश्रित गौवंश बडी संख्या में सडकों पर थे। जिस कारण अस्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की गयी।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा बताया गया कि कलेक्टर सुश्री मीना के निर्देशानुसार जनपद स्तर, नगरीय निकायों व नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कर्मचारियों के सम्मिलित दल बनाये गये एवं जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। जिले में ऐसे स्थलों का चयन किया गया जो चहुंओर बाउन्ड्री से कवर थे, जहां गौवंश हेतु चारे एवं पानी की व्यवस्था थी। तत्पश्चात जनपद पंचायतों द्वारा क्रय किये गये एवं एनएचआई के पास उपलब्ध केटल केचर व्हीकल एवं हॉका दल के माध्यम से निराश्रित पशुओं का स्थानान्तरण मुख्य मार्ग से अस्थायी चिन्हित स्थलों तक सुनिश्चित किया जा रहा है।

नगर पालिका नहीं कर रही है सरकार और शासन के आदेश का पालन

सड़कों पर बैठे रहते हैं आवारा मवेशी आए दिन होती रहती हैं दुर्घटनाएं

संतोष सिंह चंदेल/ सिवनी मालवा।

मध्य प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव के निर्देश है कि इन आवारा मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर छोड़ जाए सड़कों पर उनके बैठने से हो रही दुर्घटनाओं को रोका जाए। सिवनी मालवा नगर की जनता के जहन में यह प्रश्न उठना लाजिमी है कि क्या शासन और प्रशासन के आदेश सिवनी मालवा नगर पालिका के लिए लागू नही होते हैं क्या ? यह बात समझ से परे है।

इन दिनों सिवनी मालवा नगर की सड़कों पर आवारा मवेशियो का रात दिन जमघट लगा हुआ रहता है यह आवारा मवेशियों का जमघट मुख्य मार्ग से लेकर गली मोहल्ले नगर के हर चौक चौराहा पर आपको धमा चौकड़ी मचाते हुए आसानी से दिखाई देते हैं। इन आवारा मवेशियों के कारण शहर की जनता को विशेष कर महिलाएं और बुजुर्गों को इनसे बचकर निकलना पड़ता है अगर इस और उन्होंने ध्यान नहीं दिया तो वह आवारा मवेशी इन्हें अपना शिकार बना लेते हैं यही नहीं सड़कों पर बैठे इन आवारा मवेशियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। सिवनी मालवा नगर की जनता को वाहन चलाते समय विशेष सावधान रहना होता है। इन आवारा मवेशियों से अपनी सतर्कता से इनसे बच कर निकल के गुजरना पड़ता है। इस और ना तो सिवनी मालवा नगर पालिका का ध्यान है और ना ही स्थानीय प्रशासन का दोनों की उदासीनता के कारण आज नगर की जनता इन आवारा मवेशियों से काफी हद तक परेशान है। श्याम होते ही इन आवरा मधेशियों का जमघट मुख्य मार्ग की सड़क से लेकर हर चौक चौराहे तक आपको देखने को मिल जाएगा इस बीच में प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी क्षेत्रीय विधायक और यहां के जनप्रतिनिधि भी इनसे बचकर निकल जाते हैं लेकिन आज तक किसी ने भी कोई पहल नहीं करी कि शहर को साफ स्वच्छ बनाने में इन आवारा मवेशियों के कारण हो रही परेशानियों से नगर की जनता को निजात दिला सके। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे जनता के बीच में करने वाले इन जनप्रतिनिधियों को आज जनता को हो रही असुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं है। जिसका परिणाम यह है कि यहां पर नगर पालिका के अधिकारी से लेकर कर्मचारी तक मस्त मौलाना होकर अपनी नौकरी कर रहे हैं और अपनी डफली और अपना राग अलाप रहे हैं कुल मिलाकर सिवनी मालवा नगर अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर चल रहा है। 'खूब खाओ और खूब कमाओ और हमको भी खिलाओ जनता का नहीं है कोई भाव'

बीती रात गाय हुई दुर्घटना का शिकार तो युवकों ने रात को ही कर दिया चक्का जाम

बीती बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात में रेंज ऑफिस चौक के पास ऐसा ही एक आवारा मवेशियों का जमघट बैठा हुआ था। इस दौरान एक डंपर वाले ने एक गाय के पैर पर डंपर चढ़ाते हुए निकाल ले गया जब इस बात की सूचना नगर के गौ सेवाको लगी तो उन्होंने तत्काल उस घायल गाय का इलाज करवाया और उसे सुरक्षित स्थानों पर छोड़ा गया।

नगर की अव्यवस्थाओं को लेकर अब आप सुनिए भाजपा के एक जनप्रतिनिधि नेता की पीड़ा

सिवनी मालवा विधानसभा मे भाजपा के विधायक हैं भाजपा के ही सांसद चुन के लोकसभा में पहुंचे हैं और भाजपा की ही नगर पालिका है भाजपा के ही अधिकतर कार्यालय पर जनप्रतिनिधि की अध्यक्षता की कुर्सी है लेकिन सिवनी मालवा नगर के भाजपा के ही एक कद्दबर नेता ने बीते रोज पत्रकारों के मोबाइल पर गांधी चौक पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर अपनी समस्या बताते हुए अवगत कराया। अब इससे या अनुमान लगाया जा सकता है कि सिवनी मालवा में जब भाजपा के नेताओं की ही अधिकारी और कर्मचारी नहीं सुन रहे हैं तो वह एक आम जनता की क्या सुनते होंगे ? हम आपको बताते हैं कि उन्होंने पत्रकारों के व्हाट्सएप पर गांधी चौक की समस्या को किस प्रकार से बयां करें। उन्होंने गांधी चौक पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर सब अधिकारियों से बात करी जिस पर अधिकारियों का क्या जवाब था वह उन्होंने पत्रकारों को समझाते हुए बताया जब उन्होने जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा तो क्या जवाब मिला सिवनी मालवा नगर के अतिक्रमण को हटाने की जवाबदारी किसकी है यह मुझे समझ में नहीं आता पुलिस प्रशासन से बोलो तो वह बोलते हमारी नहीं, नगर पालिका प्रशासन से बोलो तो वह भी बोलता हमारी नहीं ,राजस्व विभाग से बोले तो वह भी हमारी नहीं।

एनएसयूआई का कैंपस चलो अभियान शुरू

सिवनी मालवा। मध्यप्रदेश एनएसयूआई द्वारा चलाए जा रहे कैम्पस चलो अभियान के अंतर्गत पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनएसयूआई सचिन यादव के नेतृत्व में कुसुम महाविद्यालय एवम एसडीएएम कॉलेज सिवनी मालवा में कैंपस चलो अभियान के विषय में छात्रों के बीच विस्तार से चर्चा की एवं उन्हें छात्र मांग पत्र वितरित किए जिसमे मुख्य रूप से एनएसयूआई नगर अध्यक्ष देवेंद्र कुचबंदिया, कॉलेज उपाध्यक्ष जतिन जाट, उपाध्यक्ष प्रांजल रघुवंशी, कॉलेज महासचिव नरेंद्र गौर, आशीष दामड़े, आकाश जैन,करन सिंह,दिव्यांशु यादव,अंशुल ईश्वर,अंकित,अखिलेश,पूनम सहित अनेक एनएसयूआई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला हॉकी संघ ने मनाया खेल दिवस मेजर ध्यानचंद को याद किया

इटारसी। जिला हॉकी संघ ने गुरुवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शाम को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के प्रति अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर खेल चौराहे पर जाकर मेजर ध्यानचंद को याद किया और बच्चों को उनके खेल के विषय में जानकारी दी।इस अवसर पर जिला हॉकी संघ के मार्गदर्शक वरिष्ठ खिलाड़ी एससी लाल, अध्यक्ष प्रशांत जैन, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, सचिव कन्हैया गुरयानी, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, अरुण रॉबर्ट, जयराज सिंह भानू, लखन बैस, मयंक जेम्स, गरीबा उस्ताद, इदरीश खान, आरिफ खान, प्रशांत तोमर, श्वेतांक जेम्स, शॉन गिडियन, ओम पटवा, रीतेश दरड़ा सहित अनेक जूनियर और सीनियर खिलाड़ी मौजूद रहे।

तीन मैत्री मैच खेले गए: पहला मैच जूनियर गर्ल्स और बॉयज की टीम के मध्य खेला गया जिसमें गर्ल्स की टीम जीती। दूसरा मैच इटारसी रेड और इटारसी ब्लू के नाम से बॉयज के मध्य हुआ जिसमें रेड को जीत मिली। जूनियर रेड और सीनियर ब्लू के मध्य मैच में जूनियर खिलाड़ियों की टीम ने जीत हासिल की।

दो दिवसीय लर्निंग लाइसेंस कैंप

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

आयुक्त नर्मदापुरम के आदेशनुसार जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय, इटारसी में दिनांक 28 एवं 29 अगस्त 2024 को निःशुल्क दो

दिवसीय लर्निंग लाइसेंस कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमे सहयोगी के रूप में योगेश शर्मा, निरंजन बघेल, ओमकार गोस्वामी, एवं राजेश चौधरी उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. आर. एस. मेहरा ने बताया कि महाविद्यालय में लगभग 1500 छात्राएं अध्यनरत हैं, अधिकांश छात्राओं के पास दो पहिया वाहन है, लेकिन उनके पास लाइसेंस न होने के कारण कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए छात्राओं के लिए निःशुल्क दो दिवसीय लर्निंग लाइसेंस कैंप का आयोजन महाविद्यालय में किया जा रहा है। संयोजक डॉ. संजय आर्य ने कहा कि जिन्होंने 18 वर्ष पुर्ण कर लिए वे ड्राइविंग लाइसेन्स आवश्यक रूप से बनवाकर सड़क सुरक्षा के नियमों की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर, सुरक्षा उपकरणों के साथ ही वाहन चलाएं। उचित सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसा वहुत आम होता जा रहा है अतः स्वयं व अन्य की जीवन रक्षा हेतु सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना अति आवश्यक है। योगेश शर्मा ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेन्स बनवाने का मुख्य उद्देश्य वर्तमान एवं भावी सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच सड़क सुरक्षा की जानकारी व विस्तार से सड़क सुरक्षा नियम पर विस्तार से छात्राओं को अवगत कराया। अंत मे सभी छात्राओं को यातायात नियमों के पालन हेतु शपथ दिलवाई गई। निःशुल्क दो दिवसीय लर्निंग लाइसेंस कैंप में जिला परिवहन विभाग द्वारा 175 लर्निंग लाइसेन्स छात्राओं के बनाये गए। कार्यक्रम में डॉ. हरप्रीत रंधावा, रविन्द्र कुमार चौरसिया, स्नेहनशू सिंह, डॉ संजय आर्य, श्रीमती पूनम साहू, डॉ. शिरीष परसाई, डॉ. नेहा सिकरवार, तरुणा तिवारी, करिश्मा कश्यप, क्षमा वर्मा, प्रिया कलोसिया तथा छात्राएं उपस्थित रही।

नपा द्वारा ठेकेदार की राशि नहीं लौटाने की कमिश्नर से की शिकायत

सिवनी मालवा। बीते रोज नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर केजी तिवारी सिवनी मालवा तहसील कार्यालय के निरीक्षण पर आए हुए थे इसी दौरान नगरपालिका से बाजार बैठकी ठेकेदार की शेष राशी को वापस दिलाने की शिकायत ठेकेदार कल्लू रघुवंशी द्वारा की गई।

मामले की जांच के निर्देश दिये गए। मंगलवार को नर्मदापुरम कमिश्नर श्री तिवारी ने तहसील कार्यालय का आकस्मिक दौरा कर कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होने इस दौरान पीड़ितों ने उन्हे अपने अपने आवेदन देकर समस्याओ से अवगत कराया। उन्होंने पीड़ितों की समस्याओं को पूरे ध्यान से सुनते हुए एसडीएम श्री मती सरोज सिंह परिहार, और तहसीलदार राकेश खजूरिया को संबंधित शिकायतकर्ताओं की शिकायत के निराकरण करने के निर्देश दिए।

अपने देश को आगे बढ़ाना मेरा कर्तव्य है: मेजर ध्यानचंद

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

एस.डी.ए.एम. महाविद्यालय में आज 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर आज चेस,कैरम और वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के कला संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर अमन चोरे द्वारा प्रतियोगिता से पूर्व बताया गया की क्यू आज ही का दिन 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में उभर कर सामने आया।

हर साल 29 अगस्त को भारत मेजर ध्यानचंद के सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाता है, मेजर ध्यानचंद 'हॉकी के जादूगर' के नाम से प्रसिद्ध अब तक के सबसे महान हॉकी खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने भारत को ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक दिलाया। उनका जन्म इसी दिन हुआ था। राष्ट्रीय खेल दिवस पर, हम भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों का सम्मान करते हैं और हमारी संस्कृति में खेलों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। प्रतियोगिता में चेस में प्रथम स्थान पर अरशद बीकॉम फाइनल ईयर और द्वितीय स्थान पर आदर्श सोनी बीसीए द्वितीय वर्ष,कैरम में प्रथम स्थान पर मिलन यदुवंशी बीसीए प्रथम वर्ष और द्वितीय स्थान पर पलक सराठे बीसीए प्रथम स्थान पर रहे।वॉलीबॉल में छात्रों की टीम क्र विजेता रहे जिसमे यश अग्रवाल,अरबाज खान, सुजीत राजपूत,सत्यम सोनी ,सोमेश पाटिल,शशांक धाकड़ रहे।छात्राओं की टीम विजेता रहे जिसमे रानी यदूवंशी, खुशी अठनेरे,प्रियंका,रिया,पलक सराठे रही।

मेट्रो एंकर | **नर्मदा कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया**

अच्छा खिलाड़ी बनने के लिए खेल के प्रति मन में जुनून होना चाहिए...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाविद्यालय नर्मदापुरम में दो दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन ÷शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाज के लिए खेल÷ थीम पर आयोजित किया गया।प्रथम दिवस पर क्रीड़ा विभाग द्वारा छात्रों के लिए कबड्डी एवं छात्राओं के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई द्वितीय दिवस पर महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमल कुशवाह (एकलव्य एवं विक्रम अवॉर्डी) इनके नेतृत्व में भारतीय थ्रो बॉल टीम ने लगातार तीन वर्षो चैंपियन रही। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थीओं को अपने उद्बोधन में बताया कि खिलाड़ियों को हमेशा खेल के प्रति समर्पण भावना और कभी न हार मानते हुये निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। जिससे खिलाड़ी एक न एक दिन जरूर सफलता प्राप्त करता है कार्यक्रम में प्राचार्य डा. ओ एन चौबे भी उपस्थित रहे ।डॉ अमिता जोशी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि एक अच्छा खिलाड़ी बनाने के लिए उनको मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ खेल के प्रति मन में जुनून होना चाहिए तभी सफलता प्राप्त होती है ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ के जी मिश्र ने कहा कि प्राचीन काल से ही खेल की विभिन्न विधाओं का आयोजन होता रहा है उन्होंने बताया कि खेल हमे जीवन में हमेशा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ साथ आनंदित होने या रखने का एक सहज मार्ग है साथ ही खेल हमे अनुशासन . व्यक्तित्व विकास, चारित्र निर्माण एवं एकता में रहना सिखाता है कार्यक्रम का संयोजक डॉ महेश मानकर, डा मुकेश कुमार बिष्ट एवं श्रीमती स्नेहा दुबे ने किया , कार्यक्रम का संचालन डा निहारिका भावसार ने किया।मंचासीन अतिथियों द्वारा कबड्डी एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता टीम के खिलाड़ियों अमित,राज,राजपाल परसराम,नीलम , प्रदीप अखिलेश,धर्मेंद्र, अखिलेश, राजपाल , अरुण , अंशुल आदि कबड्डी खिलाड़ियों को एवं बैडमिंटन में कुमारी स्तुति त्रिवेदी एवं कुमारी रेवा तिवारी को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

खेल मंत्रालय द्वारा 29 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न खेलों का आयोजन कराये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं। भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के पालन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया के अंतर्गत जिले के सभी विकासखंड में 26 अगस्त से 31 अगस्त 2024 तक ब्लॉक समन्वयक द्वारा खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उमा पटेल द्वारा बताया कि हॉकी टर्फ मैदान पर तीन दिवसीय बालक बालिका हॉकी लीग प्रतियोगिता के समापन दिवस 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर मैत्री मैच खेलकर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ अतुल सेठा, रोहित फौजदार, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उमा पटेल, ब्लॉक समन्वयक महेंद्र पचलानिया, ब्लॉक समन्वयक केसला आरती शर्मा, मयंक तोमर बांड एम्बेसडर सर्व शिक्षा अभियान, नीरज बहुत्रा, कोच पवन कुमार, उपस्थित रहे।रोहित फौजदार द्वारा खिलाड़ियों को हॉकी दी गई , मयंक तोमर बांड एम्बेसडर सर्व शिक्षा अभियान द्वारा दो पेनल्टी कार्नर किट देने की घोषणा की। विजेता टीम उपविजेता टीम हाडलाईन विजेता टीम को ट्रॉफी दी गई।

जिले में आयोजित होने वाली आउटडोर गतिविधियां-

वॉक रेस, वॉलीबॉल, हॉकी पेनल्टी कॉर्नर, फुटबॉल मिनी फुटबॉल, टेनिस बॉल क्रिकेट, इंडोर गतिविधि - बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, रस्साकशी, मनोरंजन गतिविधि - नींबू दौड़, रस्सी कूद, खो खो, लंगडी, लगोरी इत्यादि गतिविधियां 31 अगस्त 2024 तक कराया जा रहा है।

11 खाद विक्रेताओं के लाइसेंस *निरस्त*

सिरोंज। विदिशा जिले में 11 खाद विक्रेताओं के लायसेंस निरस्त करने के आदेश किसान कल्याण एवं कृषि विभाग के उपसंचालक श्री के एस खपेडिया के द्वारा जारी किए गए हैं।जारी आदेश में उल्लेख है कि खरीफ 2024 में गुण नियंत्रण अंतर्गत सघन अभियान ष् अनियमित्ता पाये जाने पर कीटनाशक विक्रेताओं के लायसेंस निरस्त ष् करने की कार्यवाही की गई है।

विदिशा जिले के कृषकों को उच्च गुणवत्ता की कृषि आदान सामग्री प्राप्त हो इस दृष्टि से कीटनाशी गुण नियंत्रण अंतर्गत खरीफ 2024 में सघन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न विकासखण्डो में स्थित उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवा के लायसेंसधारी विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। विगत दिनों जिले के लगभग 250 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अनियमित्ताऐं पाये जाने पर जिन 11 प्रतिष्ठानों के लायसेंस निरस्त किये गये है। तदानुसार मे. महादेव एग्रो सेल्स ग्यारसपुर, में. कास्तकार ट्रेडर्स ग्यारसपुर, में. विश्वास कृषि सेवा केन्द्र आनंदपुर लटेरी,में. बेतवा एग्रो केयर कुरवाई, में. राधारानी कृषि सेवा केन्द्र मेहलुआ चौराहा कुरवाई, में. राय कृषि सेवा केन्द्र बरेठ रोड बासौदा, में. गिर्राज ट्रेडर्स पठारी रोड उदयपुर,में. अनन्या ट्रेडर्स सिरोंज रोड बासौदा में. बघेल कृषि सेवा केन्द्र ऊहर, बासौदा,में. रिति कृषि सेवा केन्द्र मंडीबामौरा कुरवाई तथा में. बालाजी ट्रेडर्स महानीम चौराहा नटेरन शामिल हैं।

उप संचालक कृषि केएस खपेडिया ने अधीनस्थ गुण नियंत्रण निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि अपने क्षेत्र के लायसेंसधारी उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का सतत् निरीक्षण करते रहे एवं समस्त विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि सामग्री विक्रय का पक्का बिल कृषकों को उपलब्ध करायें। कृषकों से भी अपील की गई है कि कृषि उपयोगी सामग्री खरीदी के पक्का बिल आवश्यक प्राप्त करें।

जल जीवन मिशन के कार्यों की गहन समीक्षा

समयावधि में जल जीवन मिशन के कार्योंको पूरा कर हर घर नल से जल पहुंचाएं-कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आज विदिशा जिले में जल जीवन मिशन तहत क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा की है। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा जल निगम से संबंधित कार्यों की बैठक लेकर जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के सभी कार्य समयावधि में पूरे कर हर घर नल से जल पहुंचाने के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। योजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण नहीं करने वाली एजेंसियों के विरुद्ध पैनाल्टी लगाई जाएगी। उन्होंने कहा है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर में नल कनेक्शन उपलब्ध हो इसके लिए बेहतर कार्य करें।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने जल जीवन मिशन तहत जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी सौंपे गए कर्तव्यों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए जल जीवन मिशन के कार्यों को युद्ध गति से करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने जल जीवन मिशन अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के कार्यों के दौरान रोड रोस्टेशन के संबंध में सख्त निर्देश दिए हैं कि पाइपलाइन बिछाने के लिए रोड कटिंग की जाती है तो पाइपलाइन बिछाने के उपरांत पूर्व की भांति ही सड़क की मरम्मत करा दें, ताकि आम जनों को अनावश्यक रूप से परेशानियों का सामना ना करना पड़े। उन्होंने इस कार्य को गंभीरता पूर्वक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिन एजेंसियों द्वारा समय सीमा में कार्यों को पूरा करना है अथवा उनके पास समय कम बचा है वह एजेंसियां समय सीमा में कार्यों को पूरा करने के लिए डबल शिफ्ट में कार्य करें तथा मशीनरी को भी बढ़ाएं ताकि डेडलाइन पूरी होने से पहले यह कार्य पूरे हो सकें।

कलेक्टर श्री सिंह ने आज बैठक में विभिन्न जलप्रदाय योजनाओं के तहत कार्य कर रही एजेंसियों की समीक्षा की है। जिनमें सगड़ हिनोतिया माली समूह जल प्रदाय योजना के साथ-साथ संजय सागर नहरयाई समूह, टैम परियोजना समूह, कोठा समूह, हनोता सहित अन्य समूह जल प्रदाय योजना के कार्यो का संपादन कर रही एजेंसियों के प्रतिनिधियों से एक-एक कर संवाद किया एवं इस संबंध में जानकारियां प्राप्त कर निर्धारित समयावधि में उन सभी कार्यों को पूरा कराए जाने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की विभागीय प्रगति की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की गई जिसमें जल जीवन मिशन अन्तर्गत स्वीकृत योजनाओं का विवरण, नवीन व पुरानी नलजल योजनाओं की जानकारी, घरेलू नल कनेक्शनों की प्रगति, हर घर जल रिपोर्टेड ग्रामों की प्रगति, हर घर जल सर्टिफाईड ग्रामों की प्रगति, हस्तांतरित नलजल योजनाओं के ग्रामों की प्रगति तथा रोड रेस्टोरेशन की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री संतोष कुमार साल्वे तथा जल निगम के अधिकारियों के साथ-साथ निर्माणाधीन एजेंसियों के प्रतिनिधि, उप यंत्री सहित अन्य अमला मौजूद रहा।

चर्चाओं का विषय बना रहता है सिरोंज जनपद पंचायत कार्यालय

नवीन निर्मित अमृत सरोवर हल्की सी बारिश में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

जनपद पंचायत कार्यालय सिरोंज में दिनांक 23-8-2024 को जनपद पंचायत कार्यालय में सामान्य संभा की बैठक का आयोजन किया था जिसमें ग्राम पंचायत सरेखो एवं देवीटारी जनपद सदस्यों एवं संचार एवं संकर्म समिति के सदस्यों दोनों पंचायत का निर्माण कार्यों की जांच को लेकर नियम अनुसार कार्यवाही के लिए प्रस्तावित किया था मगर राजनीति में ऊंची पहूंच रखने वाले मध्यप्रदेश सरकार सबसे युवा सरपंच अनिल यादव उर्फ अन्ना की पंचायत को सिरोंज जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती वंदना शर्मा द्वारा सूत्रो मानें तो ग्राम पंचायत सरेखो कोई नोटिस या आदेश निर्माण कार्यों की जांच के लिए नहीं किया गया है। वहीं दूसरी ग्राम पंचायत देवीटोरी की समस्त निर्माण जांच करने को लेकर 23 -8-2024 को जारी कर जांच के आदेश जारी कर दिया गया है ऐसा क्यों किया जा रहा है समझ नहीं आया चाँक चौराहे पर चर्चा है की ग्राम पंचायत सरेखो के सरपंच अनिल यादव उर्फ अन्ना को राजनीतिक में अच्छी पकड़ रखते हैं पूर्व मुख्यमंत्री से एवं पंचायत मंत्री, एवं प्रभावी मंत्री एवं काई वरिष्ट राजनेताओं के साथ फेसबुक पर फोटो भी देखे जा सकते हैं जिसको लेकर चर्चा हमेशा बनी रहती है सिरोंज जनपद पंचायत कार्यालय हमेशा सुर्खियों में बना रहने के लिए लगातार भ्रष्टाचार के आयाम बनाता रहता है अभी एक और नया ताजा मामला सामने आया है विगत दिनों केंद्र सरकार की योजना के तहत तीन अमृत सरोवर ग्राम पंचायत सरेखो में आए थे जिसमें से दो हल्की सी बारिश में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए जनपद सीईओ द्वारा जांच को लेकर कोई आदेश नजर आया है। मगर यह समझ में नहीं आया कि एक पंचायत का नोटिस जारी होना और एक पंचायत का नहीं होना अधिकारियों की मिली भगत से की ओर इशारा करतीं नजर आ रही है हालांकि इसके पहले भी भ्रष्टाचार पूर्व जनपद सीईओ मुख्यमंत्री कन्यादान योजना को लेकर जेल जा चुके हैं।

डॉक्टरों की कमी के चलते शासकीय यूनानी अस्पताल में मरीजों का आना हुआ कम

आयुष विभाग ने अस्पताल को बंद करने के लिए आयुक्त को भेजा प्रस्ताव

विभाग को अस्पताल को बंद नही करना चाहिए बल्कि अस्पताल में डॉक्टर व स्टॉफ की व्यवस्था करनी चाहिए - डॉ वसीम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर के वार्ड क्रमांक 06 तलैया मोहल्ला स्थित शासकीय यूनानी अस्पताल जो कि आयुष विभाग के अंतर्गत संचालित किया जाता है। उक्त अस्पताल में डॉक्टरों की कमी के चलते व अस्पताल की ओपीडी कम होने के कारण आयुष विभाग उक्त अस्पताल को बंद करने की तैयारियो में जुटा है। इसके साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में शासकीय आयुष विभाग के अंतर्गत आने वाले अस्पतालो मे मरीजों की संख्या अत्यधिक कम होने की वजह से आयुष विभाग इस अस्पताल को बंद करने की तैयारी मे है। वही आयुष विभाग का कहना है कि यूनानी अस्पताल मे मरीजो की संख्या काफी कम हो गई है और अस्पताल की ओ,पी,डी भी कम हो गई है इसलिए यूनानी अस्पताल को बंद करने का प्रस्ताव आयुक्त महोदय को भेजा गया है।

अस्पताल में कई महीनो से नही आए डॉक्टर

भारतीय मानव अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर वसीम ने बताया कि शासकीय यूनानी अस्पताल में कई वर्षो से नियमित डॉक्टर नही है। लेकिन अस्पताल में जो चपरासी है वह अस्पताल को समय समय पर खोलता और बंद करता है जिसका काम न तो मरीज को देखना का है और न ही दवा देने का अधिकार है। यदि कोई मरीज दवा लेने के लिए यूनानी अस्पताल में पहुचता है तो चपरासी द्वारा बोला जाता है कि न तो दवा है न कोई डॉक्टर तो ऐसे मे ओ.पी डी के रिकॉर्ड मे कमी तो होगी ही। वही उन्होने बताया कि हमारे द्वारा कई बार आवेदन देकर यूनानी अस्पताल मे डॉक्टर, स्टाफ की कमी को लेकर मांग की जा चुकी है। लेकिन इस समस्या को लेकर न तो जिले के अधिकारियो द्वारा कोई ध्यान दिया गया और न ही प्रदेश के पदाधिकारियों ने इस मामलें में किसी प्रकार की कोई सुनवाई की। डॉ वसीम ने कहा कि यूनानी अस्पताल मे जिला आयुष विभाग से हफ्ते मे दो दिन किसी न किसी डॉक्टर की डयूटी रहती है लेकिन वह डयूटी वाले डॉक्टर पिछली चार पांच महीने से नही आए। यदि अस्पताल में नियमित डॉक्टरों की डयूटी रहती तो अस्पताल में आने वाले मरीजो की संख्या में भी बढोतरी होती। पूर्व में भी जिन डॉक्टरों को यहा पदस्थ किया गया था वह डॉक्टर भी सिर्फ अपने हस्ताक्षर कर चले जाते थे। जिस कारण अस्पताल के रिकॉर्ड में मरीजो की संख्या ही नही दिखाई दे रही है।

बंद नही बल्कि अस्पताल में व्यवस्थाए की जाए

भारतीय मानव अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर वसीम ने कहा कि आयुष विभाग द्वारा संचालित शासकीय यूनानी अस्पताल में नगर के कई वर्षो से संचालित हो रहा है। शासन को इस अस्पताल को बंद नहीं करना चाहिए। बल्कि अस्पताल में नियमित डॉक्टर,कंपाउंडर आदि स्टाफ की व्यवस्था करनी चाहिए। जिससे कि यूनानी पद्धति से उपचार कराने वाले मरीजों को परेशान न होना पडें और उन्हें सिरोंज में ही यूनानी पद्धति से उपचार मिल सकें। उन्होने कहा कि सिरोंज काफी पुराना शहर है इस शहर में आयुर्वेदिक यूनानी पद्धति से कई लोग आज भी उपचार कराते है इसलिए यूनानी अस्पताल को बंद ना किया जाकर यूनानी अस्पताल मे व्यवस्थाएं करवाई जाए ताकि शहर के लोग इसका अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

मुरवास पैट्रोल पम्प के पास से जुआरियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा गया

सिरोंज। मुरवास क्षेत्र थाना अंतर्गत जुआ खेलते हुए जुआरियों को पुलिस द्वारा पकड़ा गया मुरवास थाना प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा द्वारा बताया गया के गया विश्वसनीय मुखविर द्वारा मुरवास पैट्रोल पम्प के पास जुआ खेलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी राजेश मिश्रा मिश्रा द्वारा टीम का गठन कर प्र. आर. 222 समंदरसिंह यादव, आर. 1040 रामनिवास मीणा, आर. 947 प्रिंस देवलिया, आर. 853 नीतेश छारी को रवाना किया गया जो मुखविर द्वारा बताये स्थान पर पहुचे जहाँ पर कुछ लोग ताश के पत्तो से रूपयो-पैसो से हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे थे । पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर 01 राजा खां पिता रशीद अहमद खां

उम्र 38 साल निवासी अयोध्या बस्ती सिरोंज 02 इकबाल खां पिता नन्ने खां उम्र 30 साल निवासी वार्ड नम्वर 14 सिरोंज 03 अरसद खां पिता असफाक खां उम्र 28 साल निवासी अयोध्या बस्ती सिरोंज 04 अवरार खां पिता अफसर खां उम्र 28 साल निवासी हाजीपुर वार्ड नम्बर 04 सिरोंज 05 खान मिया पिता इब्राहिम खां निवासी चौडाखेडी थाना सिरोंज को जुआ खेलते हुये पकड़ा गया मौके पर आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया आरोपी गणो के कब्जे से 2400/- रूपये व फड से 12700/- रूपये कुल जप्ती 15100/- रूपये जप्त किये गये उक्त आरोपी गणों के विरूद्ध थाना मुरवास पर धारा 13 जुआ एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया ।

मुख्य सचिव द्वारा व्हीसी के माध्यम से दिए दिशा-निर्देश

सिरोंज। प्रदेश की मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा द्वारा प्रदेश की अस्पतालों में सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्था, राजस्व महाअभियान, पीएम जन मन, अमृत 2.0, जल जीवन मिशन एवं निराश्रित मवेशियों के 15 दिवसीय विशेष अभियान की समीक्षा आज गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से की गई। विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत चौबे समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर राजस्व महा अभियान में 95 हुआ काम, एसडीम निरीक्षण करने पहुंचे

चार सीएससी सेंटरों को हिदायत-निर्धारित शुल्क ही लें

सिरोंज दोपहर मेट्रो।

सरकार के द्वारा सभी किसानों की जमीन को भू अभिलेख और समग्र आईडी से जोड़ने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया है ।इस अभियान के तहत ई केवाईसी का काम हर पटवारी हल्के पर किया जा रहा है 31 अगस्त तक इस काम को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। दूसरी और जिन किसानों के नंबर आधार से लिंक नहीं है उनको केवाईसी करने के लिए सीएससी सेंटर पर अधिक पैसे देने की शिकायत भी सामने आ रही है इसी तरह का एक मामला पथरिया में भी आया जब एसडीएम वहां पर जायज लेने पहुंचे इसके बाद एसडीएम ने 4 सीएससी केंद्र संचालकों को फटकर लगाते हुए कहा कि शासन से जो शुल्क निर्धारित की गई है उसके हिसाब से ही किसानों से पैसे लिए जाएं अधिक शुल्क लेने का काम जो भी करेगा उस पर हम सीधी कार्रवाई करेंगे उन्होंने मौके पर कई किसानों से भी बात करते हुए जागरुक करते हुए कहा कि कोई भी अधिक पैसे लेने की मांग करता है तो सीधा हमें बताएं हम ऐसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे ई केवाईसी करने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी किसान खुद भी अपनी जमीन को समग्र आईडी से लिंक कर सकते हैं। गुरुवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने अभियान के अंतर्गत हो रहे कार्य का निरीक्षण करने के लिए 3 ग्राम पंचायत में पहुंचे इसमें रुसली दम भटौली तथा पथरिया पहुंचे जहां पर उन्होंने पथरिया में चार सीएससी सेंटर पर किसानों से ई केवाईसी करने के नाम पर अधिक पैसे लेने की शिकायत मिलने पर सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शासन के द्वारा जो शुल्क निर्धारित की गई है उससे अधिक पैसे लेने का काम किया जाएं नहीं तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी उन्होंने किसानों से बात करते हुए कहा कि अब शासन के द्वारा ज्यादातर योजनाओं का लाभ ऑनलाइन दिया जा रहा है इसीलिए इस काम में किसी भी तरह की लापरवाही ना करें हर ग्राम में कैंप लगाया जा रहे हैं स्वयं किसान भी इस काम को कर सकते हैं।ई केवाईसी कर रहा है पटवारी को भी तेज गति इस काम को करने को निर्देश दिए।इस दौरान नायव तहसीलदार विकास अग्रवाल भी मौजूद थे।

रुसल्ली में पानी निकासी की शिकायत -

ग्राम पंचायत के सामने चारों तरफ बरसात का पानी भरा हुआ है। इस वजह से ग्रामीणों को हो रही है आने जाने में परेशानी हो रही है बरसात का पानी जमा होने से बीमारियों फैलने का डर भी लोगों को सता रहा है। इसको लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत करते हुए कहा कि इस कारण हम लोगों को आने जाने में परेशानी भी होती है इसके बाद एसडीएम ने पंचायत सचिव को पानी निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

95प्रतिशत करीब हुआ काम

विकासखंड में जमीन ई केवाईसी का काम 94.4: हो चुका है और दो दिन ही हंड्रेड करने के लिए बचे हुए हैं। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि काम पूर्ण नहीं होने पर तारीख में वृद्धि की जा सकती है, जमीन की केवाईसी करने के लिए राजस्व महा अभियान के तहत कार्य किया जा रहा है। इस काम में सभी पटवारियों से लेकर पंचायत सचिव, रोजगार सहायकों को भी इस अभियान में शामिल किया गया है। मॉनिटरिंग करने के लिए जिले से लेकर स्थानीय अधिकारी भी तैनात किए गए हैं जो निरीक्षण कर रहे हैं।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए सीएलसी राउंड

सिरोंज। शासकीय आईटीआई में प्रवेश (सीएलसी राउंड) हेतू पोर्टल एक सितंबर 2024 तक खोला गया है। इच्छुक आवेदक ऑनलाइन अपना पंजीयन एवं चॉइस फिलिंग एक सितंबर 2024 से पूर्व करा लें। आवेदक केवल 5 चॉइस भर सकते हैं। पूर्व में की गयी चॉइस फिलिंग मान्य नहीं होगी। आवेदक को नयी चॉइस फिलिंग करना अनिवार्य है। तीन सितंबर 2024 को आवेदक को आवेदित आईटीआई में स्वयं उपस्थित होकर कार्यालयीन समय (प्रातः 10.30 से सायं 05.30 तक) में अपनी उपस्तिथि किसी एक व्यवसाय में दर्ज करनी है। आवेदक केवल किसी एक आईटीआई के किसी एक व्यवसाय में अपनी उपस्तिथि दर्ज करा सकेंगे। चार सितंबर 2024 को मेरिट सूची प्रदर्शित की जाएगी एवं चार सितंबर 2024 को दस्तावेज सत्यापन एवं प्रवेश की कार्यवाही की जाएगी। अधिक जानकारी हेतू विभाग के पोर्टल https:// mpitico unseling-co-in/, https:// www-dsd-mp-gov-in/ अथवा शासकीय आईटीआई विदिशा की हेल्पडेस्क पर संपर्क किया जा सकता है।

दो प्रकरणों में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा फरार आरोपियों के दो प्रकरणों में सूचना देने वालो को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना कोतवाली विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 474/2024 का फरार आरोपी अरूण तथा थाना करारिया चौराहा में दर्ज अपराध क्रमांक 132/2024 की फरार आरोपी कुमारी साक्षी पुत्री हिम्मत सिंह लावनिया उम्र 16 साल निवासी ग्राम दुलई विदिशा की सूचना देने वाले को दो-दो हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

मिल रही सुविधाएं, लेकिन अभी बहुत कुछ बाकी

पेरिस ओलंपिक से लेनी होगी सीख सुधार की जरूरत, तभी बनेंगे खेलों में महाशक्ति

नईदिल्ली, एजेंसी

हाल में हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। भारत के 117 एथलीटों ने शिरकत की और हमारे हाथ सिर्फ छह पदक आए. जिसमें एक रजत और पांच कांस्य पदक थे। यह प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक 2020 से खराब रहा, जिसमें हमने एक स्वर्ण सहित सात पदक जीते थे। सवाल यह है कि पेरिस में एथलीटों से चूक कहां हुई और भविष्य में सुधार के लिए किन चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है, जिससे हम ज्यादा से ज्यादा पदक जीत सकें। भारत ने पेरिस में सर्वाधिक तीन पदक शूटिंग में जीते। यदि ओलंपिक इतिहास पर नजर डालें तो भारत को हॉकी के अलावा सर्वाधिक पदक कुश्ती में मिले हैं। बैडमिंटन, मुक्केबाजी व निशानेबाजी जैसे खेलों में भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

अमरीका-चीन से सीख लें

पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पर रहे अमरीका ने सबसे अधिक 34 पदक एथलेटिक्स और 28 पदक तैराकी में जीते। इन दो खेलों में ही उसने 62 पदक जीत लिए, जिसमें 22 स्वर्ण पदक शामिल थे। दूसरे स्थान पर रहे चीन ने डाइविंग में 11, तैराकी और जिम्नास्टिक में 12-12 और शूटिंग में 10 पदक जीते। इन चार खेलों में चीन ने 18 गोल्ड जीते।

470 करोड़ किए खर्च

खेल मंत्रालय ने पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए एथलीटों पर करीब 470 करोड़ रुपए खर्च किए थे और उन्हें विदेश में ट्रेनिंग के लिए भेजा। सर्वाधिक 96.08 करोड़ रुपए सिर्फ एथलेटिक्स पर खर्च किए गए। नतीजे में भारतीय खिलाड़ी पेरिस में सिर्फ 06 पदक ही जीत सके। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले भालाफेंक एथलीट नीरज चोपड़ा 90 मीटर का मार्क नहीं छू सके।

सुमित जेवलिन में तो अवनी शूटिंग में दावेदार

पेरिस पैरालिंपिक में गोल्ड जीत सकता है भारत, टोक्यो में जीते थे 19 मेडल

नईदिल्ली. एजेंसी

पेरिस पैरालिंपिक गेम्स की शुरुआत हो गई है। यह इवेंट 8 सितंबर तक चलेगा। गेम्स में भारत के 84 एथलीट 12 खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। इनके साथ 95 अधिकारी भी गए हुए हैं। भारत ने 2021 में टोक्यो पैरालिंपिक में 5 गोल्ड के साथ रिकॉर्ड 19 मेडल जीते थे और वह रैंकिंग में 24वें स्थान पर रहा था। इसके 3 साल बाद भारत का लक्ष्य गोल्ड मेडल की संख्या को दोहरे अंक में पहुंचाने और कुल 25 से अधिक मेडल जीतना है।

सुमित अंतिल (मेंस जेवलिन थ्रो)

टोक्यो पैरालिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट जेवलिन थ्रोअर सुमित से भारत को एक बार फिर से गोल्ड की उम्मीद है। सुमित ने टोक्यो में 68.55 मीटर का रिकॉर्ड ब्रेकिंग थ्रो किया था। टोक्यो के बाद से सुमित ने पेरिस 2023 और कोबे 2024 के वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2 गोल्ड और एशियन गेम्स में गोल्ड जीता है। 2023 हांगझोउ में हुए चौथे पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का थ्रो करके उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोडा था। पेरिस पैरालिंपिक ओपनिंग सेरेमनी में उन्हें भारत का ध्वजवाहक बनाया गया।

मनीषा रामादास (बैडमिंटन विमेंस सिंगल्स)

मात्र 19 साल की उम्र में 2022 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और इस साल की शुरुआत में सिल्वर जीतने वाली विमेंस बैडमिंटन स्टार मनीषा से पैरालिंपिक मेडल की उम्मीद है। इंडिया की थुलैमाथि मुरुगेशन इस कैटेगरी की टॉप सीड प्लेयर हैं।

भविना पटेल (टेबल टेनिस, विमेंस सिंगल्स)

टोक्यो में टेबल टेनिस में मेडल लाना भारत के लिए सबसे बड़ी बात थी। टेबल टेनिस में भविना पटेल ने अपनी रैंक से 12 बड़े रैंक को हराकर टोक्यो गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। उनसे एक बार फिर से मैडल लाने की उम्मीद है।

मरियप्पन थंगावेलु (मेंस हाई जंप)

मेंस हाई जंप में 2 बार के पैरालिंपिक मेडलिस्ट मरियप्पन थंगावेलु ने रियो 2016 में 1.89 मीटर की जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता था, साथ ही टोक्यो 2020 में 1.86 मीटर के साथ उन्होंने सिल्वर जीता था। उन्होंने बीते साल हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीता था। इस बार इस इवेंट में भारत के पास एक से ज्यादा मेडल आ सकते हैं। मरियप्पन थंगावेलु के साथ शरद कुमार और शैलेश कुमार भी मेडल की बड़ी होप हैं। इसके सामने अमेरिका के सैम ग्रेवी और एज्रा फ्रेंच की चुनौती होगी।

अवनी लखेरा (शूटिंग)

मनु भाकर से पहले एक ही स्पोर्ट इवेंट में 2 मेडल जीतने वाली अवनी लखेरा के पास इतिहास दोहराने का मौका है। अवनी ने टोक्यो पैरालिंपिक गेम्स में गोल्ड सहित 2 मेडल जीता था। वो पैरालिंपिक गेम्स में ऐसा करने वाली पहली फीमेल एथलीट हैं। अवनी शूटिंग के 3 इवेंट्स में भाग लेंगी।

शीतल देवी (आर्चरी)

17 साल की शीतल देवी ने छोटी-सी उम्र में अपना नाम बनाया है। दुनिया में बिना आर्म के आर्चरी करने वाले बहुत कम तीरंदाज है। इस पैरालिंपिक में शीतल उन 3 आर्चर में से एक हैं जो पैर की मदद से तीरंदाजी करेंगी। शीतल ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। वे इस बार मिक्स्ड और सिंगल्स के इवेंट में भाग लेंगी।

कृष्णा नगर (बैडमिंटन मेंस सिंगल्स)

प्रमोद भगत पर बैन लग जाने के बाद से भारतीय दल में कम ही शटलर्स है जिनसे मेडल की उम्मीद है। उनमे से एक कृष्णा नागर हैं, जो बैडमिंटन की एसएच-6 कैटेगरी में टोक्यो में जीते गोल्ड को डिफेंड करने उतरेंगे।

5 घंटे 35 मिनट तक चले मैराथन मैच में इवांस ने जीत दर्ज की

न्यूयॉर्क. एजेंसी

साल के अंतिम ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल वर्ग में ब्रिटेन के डेनियल इवांस और रूस के कारेन खचानोव के बीच पहले दौर का मुकाबला 5 घंटे 35 मिनट तक चला। यह यूएस ओपन इतिहास में सबसे लंबा चलने वाला मैच था। पहला सेट हारने के बाद इवांस ने लगातार दो सेट जीते, लेकिन फिर चौथा सेट खचानोव ने जीता, अंततः पांचवें सेट में इवांस ने जीत दर्ज कर 6-7, 7-6, 7-6, 4-6, 6-4 से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पूर्व चैंपियन राडुकानू बाहर

पूर्व चैंपियन ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को पहले ही दौर में शिकस्त झेलनी पड़ी। राडुकानू को सोफिया केनिन ने 6-1, 3-6, 6-4 से हरा कर बाहर कर दिया। इस बीच विश्व नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्विटेक ने कैमिला राखिमोवा को 6-4, 7-6 से हरा कर दूसरे दौर में जगह बनाई।

कड़े संघर्ष में जीते कार्लोस अल्कारेज- चार बार के ग्रैंड स्लेम चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने क्वालीफायर लि तू को कड़े संघर्ष में 6-2, 4-6, 6-3, 6-1 से शिकस्त दी। वहीं मार्च में दो डोप टेस्ट में विफल रहने के बाद 'क्लीन चिट' पाने वाले दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जेनिक सिनर ने मैकी मैकडोनाल्ड को 2-6, 6-2, 6-1, 6-2 से हराया।

पिछला रेकॉर्ड: यूएस ओपन में इससे पहले स्टीफन एडबर्ग व माइकल चांग ने 1992 में पांच घंटे 26 मिनट तक मैच खेला था। टेनिस में सबसे लंबा मैच जॉन इस्नर और निकलस माहूत ने 2010 के विंबलडन में 11 घंटे और 5 मिनट तक खेला था। बेटी के जन्म के बाद यूएस ओपन में खेल रहीं दो बार की पूर्व चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार वापसी की। ओसाका ने महिला एकल में 10वीं वरीयता प्राप्त लात्विया की येलेना ओस्तापेंको को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। ओसाका ने 2018 और 2020 में यहां खिताब जीता था।

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमई) के आईपीओ को लेकर निवेशकों में अप्रत्याशित उन्माद दिख रहा है। ग्रे मार्केट प्रीमियम को देख निवेशक एसएमई आईपीओ पर टूट रहे हैं। इस साल सबसे ज्यादा खरीदे 5 एसएमई आईपीओ को 65,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बोलियां मिलीं, जबकि कंपनियां महज 59.3 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थीं। यानी 1100 गुना बोलियां मिलीं। इस साल सबसे ज्यादा आवेदन पाने वाले 10 एसएमई आईपीओ को 733 गुना से लेकर 2,014 गुना आवेदन मिले। 2024 में एसएमई आईपीओ का औसत सब्सक्रिप्शन 200 गुना तो मेनबोर्ड का सब्सक्रिप्शन 43 गुना है। इसे देखते हुए सेबी ने निवेशकों को उन एसएमई प्रमोटरों के खिलाफ सावधान किया है, जो ऑपरेशन्स की अवास्तविक तस्वीर पेश करते हैं। सेबी ने निवेशकों से सतर्क रहने और एसएमई शेयरों में निवेश करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया है। सेबी ने कहा, असत्यापित सोशल मीडिया पोस्ट पर भरोसा नहीं करें। एसएमई आईपीओ की भारी-भरकम मांग ऐसे समय देखने को मिल रही है जब मुख्य प्लेटफॉर्म के लिए आईपीओ का कोई अभाव नहीं है। बड़े आकार वाले मेनबोर्ड आईपीओ को वित्तीय विवरण और कंपनी संचालन आदि को लेकर बेहतर नियामकीय जांच के दौर से गुजरा हुआ माना जाता है। एक अनुमान के अनुसार दूसरी छमाही में देश की 55 कंपनियां करीब 68,000 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं।

सतर्क रहें: ग्रे मार्केट प्रीमियम देख छोटे आइपीओ पर टूट रहे निवेशक

एक से अधिक पीपीएफ खाता होने पर ब्याज में कटौती होगी

नईदिल्ली, एजेंसी। डाकघर की छोटी बचत योजनाओं में सरकार अहम बदलाव करने जा रही है। नए नियमों के तहत एक से अधिक पीपीएफ खाता होने पर ब्याज में कटौती होगी। ये बदलाव 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय ने इसे लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि अगर कोई खाता अनियमित पाया जाता है तो उसे अनुपालन प्रक्रियाएं पूरी करनी होगी, अन्यथा खाता बंद हो सकता है। सरकार ने बदलाव के लिए छह श्रेणियां निर्धारित की हैं। इसमें राष्ट्रीय बचत योजना खाते, नाबालिग के नाम पर खोले पीपीएफ खाते व दादा-दादी की ओर से खोले गए सुकन्या समृद्धि खाते शामिल हैं। एनसीएस से जुड़े तीन तरह के खातों के लिए नियम बदले गए हैं। इसमें अप्रेल 1990 से पहले खोले गए दो खाते और इसके बाद खोले गए दो से अधिक खाते शामिल हैं। इसमें पहले प्रकार के खातों के लिए 0.20त्न डाकघर बचत खाता ब्याज अतिरिक्त जोड़ा जाएगा। जबकि अन्य प्रकार के खातों पर सामान्य ब्याज ही मिलेगा। तीसरे खाते पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा, बल्कि उनकी मूल राशि वापस कर दी जाएगी।

सऊदी प्रो लीग फुटबॉल: अल नासर को 4-1 से जिताया

बुरैदाह. एजेंसी

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अल नासर को अल फेहा के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाई। रोनाल्डो ने फ्री किक पर 45वें मिनट में एक गोल दागा। यह उनके करियर का कुल 899वां गोल है। उन्होंने फ्री किक पर कुल 64वां गोल किया। वह फुटबॉल इतिहास में लगातार 23वें सीजन फ्री किक पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने।

रोनाल्डो ने दागा 899वां गोल

डेविड मलान ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

सेंट लुई (अमरीका)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार बैटर डेविड मलान ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 37 साल के मलान जोस बटलर के अलावा इंग्लैंड के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी रहे, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। मलान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 रह चुके हैं। मलान साल 2023 में हुए वनडे विश्व कप के बाद इंग्लैंड की टीम से बाहर चल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज में भी वह टीम का हिस्सा नहीं बने। इसी कारण उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया है। मलान ने इंग्लैंड के लिए 22 टेस्ट, 30 वनडे और 62 टी-20 इंटरनेशनल खेले। वह टी-20 क्रिकेट में नंबर-1 बल्लेबाज भी बने। टेस्ट में इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने 27.53 की औसत से 1,074 रन बनाए थे। वनडे में उन्होंने 55.76 की औसत से 1,450 रन बनाए थे।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

छोटे शहरों के किरदार निभाने पर *सान्या* बोलीं, लोग मुझसे खुद को जोड़ पाते हैं..

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी फिल्म 'मिसेज' को लेकर चर्चा में है। सान्या मल्होत्रा हाल ही में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया गई थीं, जहां उनकी आने वाली फिल्म मिसेज की स्क्रीनिंग की गई और इसे जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों ने फिल्म को खड़े होकर सराहा है। हाल ही में, अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या ऐसे पल कभी उन्हें परेशान करते हैं। इस पर उन्होंने कहा, शुरू में मैं रिलीज को लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित रहती थी, लेकिन अब मैंने किसी भी तरह की उम्मीद को छोड़ना सीख लिया है। मैं पहले से काफी बदल गई हूं। मेरी एक बहुत करीबी दोस्त राधिका मदान ने मुझमें आए बदलाव को तब देखा जब मैंने उन्हें अपनी एक फिल्म के प्रीमियर पर आमंत्रित किया। सान्या ने छोटे शहरों के किरदार निभाकर अपनी अलग पहचान बनाई है। चाहे वह पटाखा, पगलैट या कटहल हो। इन सभी भूमिकाओं ने उन्हें खूब प्रशंसा भी दिलाई है। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, छोटे शहरों के लोग मुझसे खुद को जोड़ पाते हैं। भले ही मैं दिल्ली जैसे मेट्रो शहर से हूं। और मुझे छोटे शहरों में शूटिंग करना पसंद है, यहीं आपको रंग और संस्कृति मिलती है। मैं ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हूं और मुझे खुशी है कि फिल्म निर्माता भी मुझे उनमें फिट बैठते हुए देखते हैं। आगे अपने काम की सराहना करते हुए सान्या ने कहा, मुझे खुद से प्यार है, लेकिन मैं अपने काम को लेकर बहुत आलोचनात्मक हूं। हालांकि, जब मैंने मिसेज देखी तो मैंने अपनी टीम को देखा और कहा कि मुझे खुद पर बहुत गर्व है। मेरी टीम हैरान थी क्योंकि मैंने पहले कभी अपने किसी काम के लिए ऐसा नहीं कहा था। और जिस तरह की मान्यता हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही है। मुझे यकीन है कि लोग इसे पसंद करेंगे।

पर्दे पर फिर रोमांस का जादू चलाने लौटेंगे सिद्धार्थ ! मिला दिनेश विजन का साथ

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा ने रोमांटिक जॉनर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से करियर की शुरुआती की थी। कुछ रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों के बाद वे एक्शन जॉनर की फिल्मों में नजर आए। अब ऐसा लगता है कि सिद्धार्थ एक बार फिर रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर के लिए वापस आ रहे हैं। खबर है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म प्रेम के विषय पर आधारित होगी। सिद्धार्थ को दर्शकों ने रोमांटिक और एक्शन, दोनों अवतारों में पसंद किया। वहीं अब वे एक बार फिर पर्दे पर रोमांस करते नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, मिशन मजनू, योद्धा और इंडियन पुलिस फोर्स सहित कई एक्शन फिल्मों में अभिनय करने के बाद वह रोमांस में वापस आने के लिए उत्सुक थे और ऐसा लगता है कि उन्हें इसके लिए एकदम सही फिल्म मिल गई है। दिनेश विजन कथित तौर पर एक रोमांटिक कॉमेडी का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें मल्होत्रा मुख्य भूमिका में होंगे। दावा किया गया है कि निर्माता की प्रोडक्शन फर्म पिछले कुछ समय से अभिनेता के संपर्क में है। पटकथा अभिनेता को पसंद आई और वे रोमांटिक फिल्मों के निर्माण के लिए जानी जाने वाली कंपनी के साथ सहयोग करने के लिए रोमांचित हैं। तुषार जलोटा अनाम परियोजना का निर्देशन करेंगे, जिन्होंने फिल्म दसवीं (2022) का भी निर्देशन किया था। सिद्धार्थ मल्होत्रा की 2012 में आई फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर उनकी पहली फिल्म थी और यह एक कॉलेज कैंपस पर आधारित रोमांटिक कॉमेडी थी। इसके बाद उन्होंने कई रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में काम किया, जैसे कि 2014 की हंसी तो फंसी और 2016 की बार-बार देखो। अभिनेता का मानना है कि उनके प्रशंसक उन्हें इस जॉनर में देखना पसंद करते हैं। यदि सब योजना के अनुसार चला तो यह परियोजना इस साल के अंत में शुरू हो जाएगी। वहीं बात करें सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्मों के बारे में तो आखिरी बार वे 'योद्धा' में नजर आए थे। चर्चा है कि वे सैफ अली खान के साथ फिल्म रेस 4 में भी नजर आ सकते हैं।

दीपिका की पर्सनल लाइफ पर सवाल करने पर *प्रियंका* ने सिखाया था निर्माता को सबक

जब प्रियंका चोपड़ा ने दीपिका पादुकोण से रणवीर के साथ डेटिंग के बारे में पूछताछ करने पर बॉलीवुड के इस निर्माता को जमकर फटकार लगाई थी। प्रियंका ने कहा था यह उनकी जिंदगी है और कुछ लोग नहीं चाहते कि उनकी निजी जिंदगी खाने की मेज पर बातचीत का विषय बने। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। छह साल तक एक-दूजे को डेट करने के बाद दोनों ने 2018 में शादी रचाई थी। रणवीर और दीपिका ने अपने डेटिंग के दौरान शुरुआती दिनों में एक-दूसरे के लिए अपनी भावनाओं को सभी से छुपाए रखा था। जब एक शो के दौरान एक फिल्म निर्माता ने दीपिका से सार्वजनिक रूप से यह बताने के लिए कहा कि क्या वह रणवीर को डेट कर रही हैं, तब प्रियंका चोपड़ा उनके बचाव में आगे आई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रसिद्ध टॉक शो कॉफी विद करण में करण जौहर ने खुलासा किया था कि दीपिका कभी भी रणवीर सिंह के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर क्यों नहीं बताती हैं। उन्होंने कहा कि आजकल लोग अपने रिश्तों को छुपाकर रखना पसंद करते हैं। इस पर दीपिका ने करण को कोई जवाब नहीं दिया, बस मुस्कुराकर बात को टाल दिया था, लेकिन वहीं शो पर मौजूद प्रियंका ने झट से करण को करारा जवाब देते हुए डांट लगाई थी। प्रियंका चोपड़ा ने कहा था, कुछ लोग अपने रिश्ते को निजी रखना पसंद करते हैं। क्योंकि कुछ लोग डिनर टेबल पर होने वाली बातचीत नहीं बनना चाहते। आगे प्रियंका ने कहा था, अगर सेलेब्स की 90 प्रतिशत जिंदगी जनता के लिए है, तो 10 प्रतिशत हिस्सा उनका खुदका होना चाहिए। इन तीनों सेलेब की जोड़ी कई फिल्मों में साथ काम कर चुकी है। प्रियंका चोपड़ा ने 2013 में रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के एक गाने में कैमियो किया था। इसके बाद उन्होंने 2015 में दीपिका और रणवीर के साथ बाजीराव मस्तानी में भी काम किया था। प्रियंका और रणवीर ने 2015 में फिर से दिल धड़कने दो में स्क्रीन साझा किया था। वहीं दीपिका अपनी प्रेग्नेंसी की आखिरी तिमाही में हैं। दीपिका ने इस साल फरवरी में इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। जिसके बाद से ही वे लगातार चर्चा में बनी हुई हैं।

स्कूली छात्रा, महिला समेत युवती से दुष्कर्म, पुलिस ने शिकायत पर दर्ज किया केस

शादी में मुलाकात के बाद स्कूली छात्रा से दुष्कर्म, गर्भवती होने पर खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बिलखिरिया पुलिस ने एक स्कूली छात्रा की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी ने करीब तीन महीने पहले पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया था। पिछले दिनों पता चला कि गर्भवती है तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी स्कूली छात्रा है। आरोपी श्रीकांत (22) दमोह का रहने वाला है। श्रीकांत के मामा छात्रा के मोहल्ले में रहते हैं। कुछ महीने पहले वह अपने मामा के यहां एक शादी में शामिल होने के लिए आया था। इस दौरान दोनों के बीच पहचान हुई थी। करीब तीन महीने पहले श्रीकांत ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया था। पिछले दिनों उसे पेट में तकलीफ हुई तो परिजन इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पता चला कि वह गर्भवती है, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पूछताछ की तो पीड़िता ने श्रीकांत द्वारा जबरन दुष्कर्म करने की बात बताई। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

छोला मंदिर पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर मोहल्ले में रहने वाले युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी महिला को तीर्थ दर्शन कराने के बहाने अपने साथ ले गया और इस दौरान शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली तीस वर्षीय महिला पारिवारिक विवाद के चलते करीब एक महीने पहले घर से बगैर बताए गायब हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। घर लौटने पर बाद पुलिस ने जब पूछताछ की तो उसने बताया कि मोहल्ले में रहने वाला अमन नामक युवक उसे भाभी कहता है। वह घर के झगड़ों को जानता था, इसलिए तीर्थ दर्शन के लिए अपने साथ ले गया। इस दौरान उसने शारीरिक शोषण किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

लिव इन रिलेशन में रहने के बाद शादी से मुकरा

इधर गोविंदपुरा पुलिस ने एक युवकी की शिकायत पर उसके लिव इन पार्टनर पर बलात्कार और दैहिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 35 साल की युवती इलाके में रहती है और प्राइवेट काम करती है। उसकी पहचान अरविंद जाट नामक युवक से हो गई थी। दोनों में दोस्ती और बाद में प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। इस दौरान अरविंद ने युवती को शादी करने का प्रलोभन दिया और अपने साथ दो साल से रखे हुए था। दो साल तक युवती का दैहिक शोषण करने के बाद आरोपी शादी करने से इंकार करने लगा। पीड़िता ने घटना की शिकायत गोविंदपुर थाना पहुंचकर की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

आपसी कहासुनी के बाद दंपती ने लगाई फांसी

4 साल पूर्व हुई थी शादी, 3 साल का बेटा और 8 महीने की है बेटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। टीलाजमालपुरा थाना क्षेत्र स्थित हरिजन बस्ती में गुरुवार दोपहर दंपती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन परिजन ने बताया कि उनका आपस में विवाद होता रहता था और गुरुवार को भी विवाद हुआ। विवाद के बाद दोनों अपने कमरे में गए और वहां फांसी लगा ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार अजय पिता बद्री प्रसाद उर्फ पप्पू (29) हरिजन बस्ती, टीलाजमालपुरा में रहता था और अपने पिता के साथ करोंद मंडी में हमाली करता था। अजय की चार साल पहले 28 साल की दामिनी से शादी हुई थी। अजय और दामिनी का तीन साल का बेटा और आठ महीने की बेटी है। अजय के साथ माता पिता और दामिनी समेत दो बच्चे रहते थे। अजय की मां ने पुलिस को बताया कि गुरुवार दोपहर सभी लोग खाना खाने के लिए बैठे थे। इस दौरान अजय और दामिनी का विवाद हो गया।

अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन

परिजन की चीख पुकार सुनकर पड़ोस के लोग भी पहुंच गए थे। इसके बाद दामिनी और अजय को फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टर ने बताया कि दोनों की मौत हो चुकी है। शाम करीब पांच बजे पुलिस को अस्पताल से सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिए है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपे जाएगे।

घर से पंद्रह मीटर की दूरी पर है दूसरा कमरा

अजय के माता पिता एक कमरे में अलग रहते हैं। हालांकि खाना पीना सभी का साथ होता है। बच्ची छोटे होने के कारण अजय की मां दोनों की देखरेख करती है। अपने कमरे पर ही रखती है। अजय की मां ने बताया कि गुरुवार दोपहर खाना खाते समय अजय और बहू दामिनी में कहासुनी हो गई। कहासुनी बढ़ने पर दोनों पंद्रह मीटर दूर स्थित अपने कमरे में चले गए। मां ने दोनों बच्चों और पति को खाना खिलाया और अजय के कमरे में पहुंची। इस दौरान उन्होंने अजय और दामिनी को फांसी के फंदे पर लटके देखा था। उन्होंने शोर मचाया तो पति भी कमरे के बाहर पहुंच गए।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

घटना से पहले उसकी पत्नी के साथ कहासुनी हुई थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

गौतम नगर में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना से पहले उसकी पत्नी के साथ कहासुनी हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक योगेंद्र पाल (42) रिसालदार कालोनी गौतम नगर में रहता था और प्रायवेट काम करता था। परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं। बुधवार को पत्नी मायके से घर लौटी तो टीवी नहीं दिखाई दी। पूछताछ करने पर योगेंद्र ने बताया कि उसने टीवी को सुधरने के लिए दिया है। घर के कुछ बर्तन वह अन्य सामान भी गायब था। इसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। झग?ा शांत करने के उद्देश्य से पत्नी घर के बाहर आकर पड़ोस में बैठ गई। कुछ देर बाद अंदर पहुंची तो योगेंद्र फांसी के फंदे पर लटका मिला। फंदे से उतारकर उसे इलाज के लिए हमीदिया ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

आसमान पर घने काले बादलों का डेरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में एक बार फिर मौसम बदल गया है। आसमान पर काले बादल छाए, कुछ इलाकों में बारिश भी हुई।

बेटी को स्कूल छोड़ने का कहकर निकला था मृतक

हथाईखेड़ा डैम में मिली युवक की लाश, एक दिन पहले हुआ था पत्नी से विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी पुलिस ने गुरुवार की शाम हथाईखेड़ा डेम से एक युवक की लाश बरामद की। उसकी पहचान के बाद लाश पोस्टमार्टम के लिए भेज दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि बुधवार रात और गुरुवार की सुबह उसका पत्नी से विवाद हुआ था। सुबह वह बच्ची को स्कूल छोडने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। शाम को उसकी लाश मिली। आनंद नगर चौकी प्रभारी संतोष रघुवंशी ने बताया कि गुरुवार की शाम को निजी कालेज के कुछ छात्र हथाईखेड़ा बांध के आसपास घूम रहे थे, तभी उन्होंने बांध के पास एक युवक की पानी में देखी। पास ही एक बाइक खड़ी हुई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश बाहर निकलवाई। तलाशी लेने पर मृतक के पास मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान दीपक साहू (40) निवासी कोकता नंबर-2 के रूप में हुई। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान पता चला कि दीपक गोविंदपुरा स्थित एक फैक्टरी में काम करता था।

परिवार में पत्नी राजकुमार की अलावा करीब दस साल की बेटी है, जबकि तीन भाई भी साथ ही रहते हैं। इन दिनों दीपक के मकान का काम चल रहा है। यह काम पत्नी के मायके का एक ठेकेदार कर रहा था। बुधवार को दीपक के छोटे भाई का ठेकेदार के साथ कुछ विवाद हो गया था, जिसके बाद पति-पत्नी के भी भी विवाद हुआ। बेटी को स्कूल छोडने के बाद नहीं लौटा गुरुवार सुबह भी पुरानी बात को लेकर दंपति के बीच कुछ कहासुनी हुई थी। उसके बाद दीपक अपनी बेटी को बाइक पर बिठाकर स्कूल छोडने चला गया। उसे स्कूल छोडने के बाद ड्यूटी पर जाना था, लेकिन वह नहीं पहुंचा। शाम को उसकी लाश हथाईखेड़ा डेम से बरामद हुई, जबकि पास ही बाइक खड़ी हुई थी। पुलिस का अनुमान है कि दीपक ने डैम में कूदकर आत्महत्या की होगी।

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के कारोबार मे लिप्त गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

आरोपी के पास से कुल 11 किलो 64 ग्राम गांजा जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

क्राइम ब्रांच की टीम ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 11 किलो 64 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 2 लाख 20 हजार रुपए है। क्राइम ब्रांच ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि न्यू बैरसिया बस स्टैंड नव निर्माणधीन विल्डिंग का बरामदा आरिफ नगर में एक आदमी खाकी रंग की गोल गले की टी शर्ट एवं पेंट पहने हुए है। उसके नरा सफेद प्लास्टिक की बोरी है । बोरी में गांजा है। वह किसी ग्राहक को गांजा देने के लिये खड़ा है। सूचना के बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके की घेराबंदी करते हुए एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरेश गौर पिता स्व.नन्दराम गौर

(55) साल निवासी फ्रीगंज गल्लामंडी थाना मंडी के पास सीहोर का होना बताया। संदेही से सफेद प्लास्टिक की बोरी के बारे मे पूछने पर अपना स्वंय का होना बताया । सफेद प्लास्टिक की बोरी की तलाशी ली गई जिसके अंदर मटमेलै रंग का तीव्र गंध युक्त कलीदार पदार्थ रखा मिला संदेही के पास मिले मादक पदार्थ को सूंघकर, मसलकर, जलाकर एवं अनुभव एवं प्रशिक्षण के आधार पर पहचान की गई तो मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया।

सड़क हादसों में अनुसंधान को लेकर ऑनलाइन प्रशिक्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में विवेचना अब मोटरयान नियम 2022 (पांचवा संशोधन) में सम्मिलित किये गये नये प्रावधान 150-(क) उपाबंध-13 के तहत की जावेगी। उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली, द्वारा जारी किये गये निदेशों के तहत सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में संबंधित मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल को समय सीमा में एफएआर, आईएआर और डीएआर भेजा जाना अनिवार्य है। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के प्रकरणों में अनुसंधान हेतु प्रदेश के सभी थानों में स्पेशल यूनिट गठित की गई है। इनमें पदस्थ अनुसंधानकर्ता अधिकारियों को उक्त नये प्रावधानों के संबंध में प्रशिक्षित एवं संवेदनशील किए जाने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के समन्वय से गुरुवार को पुलिस परिवहन शोध संस्थान, पुलिस मुख्यालय भोपाल में ऑनलाईन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में न्यायाधीश अतुल सक्सेना, तेईसवें जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, भोपाल ने संदर्भित विषय पर विशेषज्ञ मार्गदर्शक वक्ता के रूप में कानूनी जानकारी के संबंध में व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण में ग्वालियर, चंबल, जबलपुर एवं सागर संभाग के कुल 20 जिलों के निरीक्षक से लेकर प्रधान आरक्षक स्तर के लगभग 600 अधिकारियों ने ऑनलाईन भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। मोटरयान (पांचवा संशोधन) नियम 2022 में सम्मिलित किये गये नये प्रावधानों के क्रियान्वयन से सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित व्यक्तियों के क्लेम प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में किया जा सकेगा।

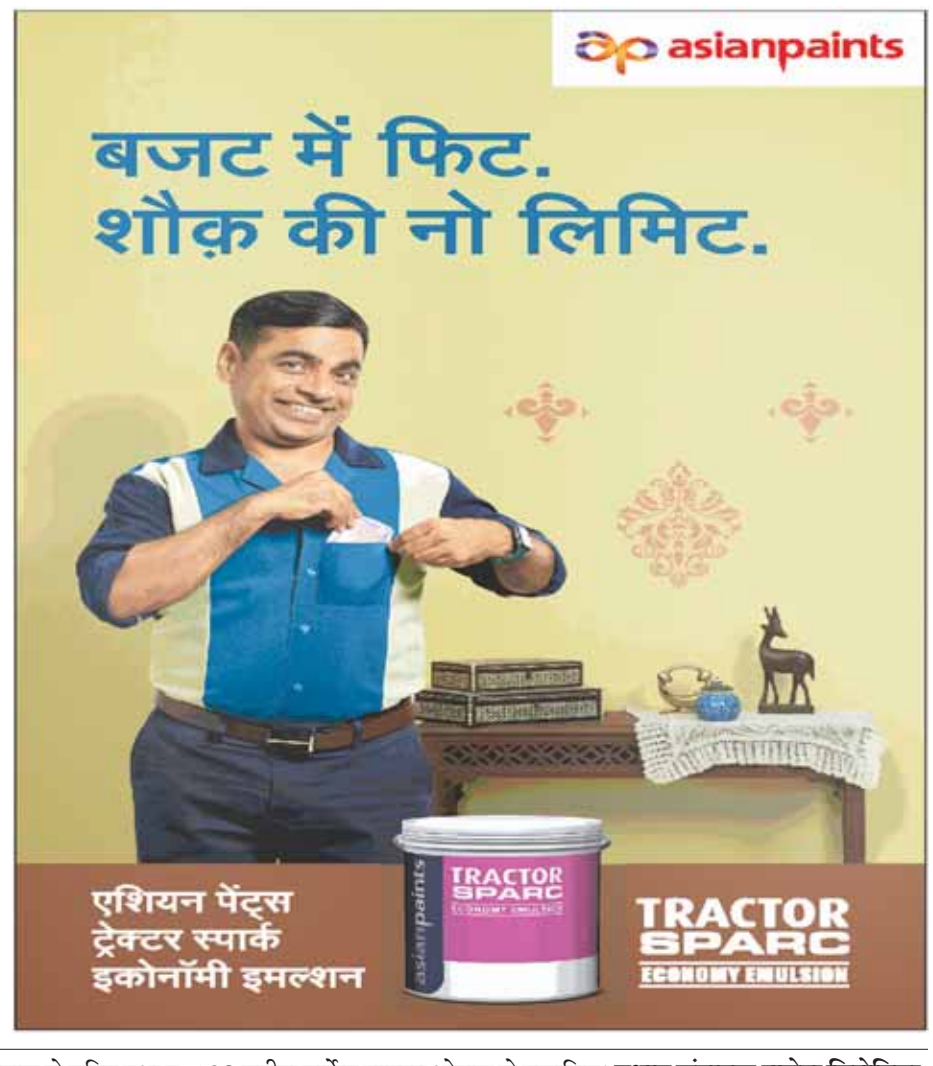

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022